



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20 ] नई दिल्ली, शनिवार, मई 19, 1979 (वैशाख 29, 1901)  
No. 20 ] [NEW DELHI, SATURDAY, MAY 19, 1979 (VAISAKHA 29, 1901)

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं० ए०-12024/3/78-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15 नवम्बर, 1978 में आंशिक आशोधन करते हुए अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्री के० सुब्रमण्यम, भा० प्र० सं० (आन्ध्र प्रदेश संवर्ग) को इसी समय से आगामी आदेश तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में रु० 2500-125/2/2750 के वेतनमान में अतिरिक्त सचिव एवं परीक्षा नियंत्रक, संघ लोक सेवा आयोग के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32013/2/77-प्रशा०-I—कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट में लेक्चरर और संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानांतरित अवर सचिव डा० आर० भास्करन को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुक के अनुसार 20-4-1979 के पूर्वार्द्ध से 19-7-1979 तक,

अथवा आगामी आदेश तक, जो पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० 06 पी० आर० एस० 005 (i)—भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने पर श्री आर० के० शर्मा, आई० ए० एस०, सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सेवाएं 24 अप्रैल, 1979 अपराह्न से मध्य प्रदेश शासन के निर्वर्तन पर रखी जाती हैं।

सं० 06 पी० आर० एस० 005 (ii)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री रमेश चन्द्र, आई० ए० एस०

को 24 अप्रैल, 1979 अपराह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 अप्रैल, 1979

सं० 68 आर० सी० टी० 14—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री ओ० पी० शर्मा, भारतीय राजस्व सेवा (1960) के अधिकारी को 12 अक्तूबर, 1978 के अपराह्न से 6 मार्च, 1979 के अपराह्न तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में उप-सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 68 आर० सी० टी० 14—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री ओ० पी० शर्मा, भारतीय राजस्व सेवा (1960) के अधिकारी को 7 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय आयोग में निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० 75 पी० आर० एस० 053—केन्द्रीय सतर्कता आयोग में सचिव के पद पर नियुक्ति होने पर श्री रमेश चन्द्र आई० ए० एस० वर्तमान कार्यरत विभागीय जांच आयुक्त ने 24 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से इस पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,  
अवर सचिव

#### गृह मन्त्रालय

का ए० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल, 1979

सं० सी० 3/68-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से हरियाणा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री चरजीव लाल को दिनांक 16-4-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० एम० 20/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० सी० अंगरीय, वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 11-4-1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में प्रोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

उन्होंने दिनांक 31-3-1979 के अपराह्न में वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एस० आई० यू० के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सतीश कुमार झा,  
उप-निदेशक (प्रशा०)

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो० 1109/73-स्थापना—श्री आत्मा सिंह ने अनेक सरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप उप पुलिस अधीक्षक, 39 बी० वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-3-1979 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को 3-3-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 2 मई, 1979

सं० ओ० दो० 1173/74-स्थापना—राष्ट्रपति श्री अरुण चटर्जी, के० रि० पु० बल के उप-पुलिस अधीक्षक के स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की गृह मन्त्रालय (डी० पी० ए० आ०) के कार्यालय शापन संख्या 25013/7/77-स्थापना (ए०) दिनांक 26-8-77 में दी गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की स्वेच्छिक रूप से सेवा निवृत्ति योजना के अन्तर्गत मंजूरी देते हैं।

2. श्री चटर्जी ने उप-पुलिस अधीक्षक 4 बी० वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 20-3-1979 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० बन्द्योपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार, पंजाब

चण्डीगढ़-160017, दिनांक 6 अक्तूबर 1978

आदेश

सं० प्रशासन 1/ए/183—केन्द्रीय सिविल सेवाओं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) से सम्बन्धित नियम 1965 के नियम 15(4) के अन्तर्गत श्री नौनिहाल सिंह, वरुण ग्रेड लेखा परीक्षक को शापन संख्या प्रशासन 1/पी० एफ०/नौनिहाल सिंह/एस० जी० ए०/9422, दिनांक 3-4-1978 द्वारा एक नोटिस जारी किया गया जिसके साथ अनुशासनिक प्राधिकार की जाच-पड़ताल की रिपोर्ट और उसके निष्कर्ष भी संलग्न थे। यह नोटिस डाक तार विभाग की इस अभ्युक्ति के साथ बिना स्वीकार किए वापिस लौटाया गया है क्योंकि श्री नौनिहाल सिंह ने इसे लेने से इनकार कर दिया है।

दिनांक 18-10-1977 को इस कार्यालय में प्राप्त श्री नौनिहाल सिंह के आवेदन पत्र में दिखाए गए नवीनतम पत्र पर एक नोटिस (सम्बन्धित कागजातों सहित) पंजीकृत पावती से डाक द्वारा भी भेजा गया था। वह लिफाफा भी उपरोक्त कागजातों सहित बिना वितरण किए डाक विभाग द्वारा (लेने से इन्कार किया गया) के शब्द लिख कर वापिस कर दिया गया। मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि श्री नौनिहाल सिंह, वरण ग्रेड लेखा परीक्षक इस कार्यालय के ज्ञापन संख्या प्रशासन 1/पी० एफ०/नौनिहाल सिंह/एस० जी० ए०/9422 दिनांक 3-4-1978 की पावती जान बूझ कर स्वीकार करने के लिए टाल मटोल कर रहा है। अगली कार्यवाही अब यह मान कर की जाती है कि सम्बन्धित कर्मचारी को उचित नोटिस दिया जा चुका है और प्राप्त हो गया है। दिनांक 3-4-1978 के उपरोक्त नोटिस में इस बात का निष्कर्ष निकाला जा चुका था कि श्री नौनिहाल सिंह सेवा में रखने के योग्य व्यक्ति नहीं है। श्री नौनिहाल सिंह को प्रस्तावित दंड के विरुद्ध यदि वह चाहे तो प्रतिवेदन करने के लिए भी कहा गया था, परन्तु उसने इस सम्बन्ध में कोई प्रतिवेदन नहीं दिया है। सभी तथ्यों को दृष्टि में रखते हुए मैं अनुशासनिक प्राधिकार के तौर पर इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि श्री नौनिहाल सिंह, वरण ग्रेड लेखा परीक्षक सरकारी सेवा में रखने के योग्य व्यक्ति नहीं है और मैं उसके सेवा से बर्खास्तगी के आदेश जारी करता हूँ।

लक्ष्मण प्रसाद खन्ना,  
महालेखाकार, पंजाब

श्री नौनिहाल सिंह,  
गांव अटारी,  
डाकखाना चैक जानीसर,  
तहसील फाजिलका,  
जिला फिरोज़पुर (पंजाब)।

संख्या : प्रशासन 1/पी० एफ०/नौनिहाल सिंह/ 6737-45-ए,  
दिनांक : 26-10-78

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनैन्स फैंक्टरियां

भारतीय आर्डेनैन्स फैंक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० 22/जी/79 —राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न अपर-महानिदेशक आर्डेनैन्स फैंक्टरियां के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री डी० सेन, स्थानापन्न, पहली मार्च, 1979  
डी० डी० जी० ओ० एफ० स्तर-1
- (2) श्री के० के० बिस्नोई, स्थानापन्न, पहली मार्च, 1979  
डी० डी० जी० ओ० एफ० स्तर-1

सं० 25/79/जी —तीन माह की सूचना की समाप्ति पर, श्री एम० के० धर, स्थानापन्न उप महा प्रबन्धक, मौलिक एवं स्थायी प्रबन्धक दिनांक 31-7-1977 (अपराह्न) से सेवा से स्वेच्छापूर्वक निवृत्त हुए।

दिनांक 26 अप्रैल 1979

सं० 29/79/जी —राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारियों का गृहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से, नियुक्त करते हैं।

श्री रविन्दर कुमार	28-12-1978
श्री एम० सेलवराजु	15-01-1979
श्री देव रंजन चटर्जी	23-02-1979

वी० के० महता,  
सहायक महानिदेशक,  
आर्डेनैन्स फैंक्टरियां

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० पी० 8(25)/67 —श्री ओ० महीरति कोल इंडिया लिमिटेड (कलकत्ता) के परमोनेल विभाग के मुख्य अधिकारी जिस उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिसूचना सं० पी० 8(25)/67 तारीख 21-12-75 के अधीन कोयला खान में श्रम कल्याण संस्था की सलाहकार समिति की वित्तीय उप-समिति के सदस्य मनोनीत किये गये थे वे उस पद से मुक्त हो जाने के कारण उस उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने की स्थिति में नहीं रहे।

अतः मैं, वित्तीय उप समिति के अध्यक्ष की हैसियत से, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियम, 1949 के नियम 12 के उप-नियम (ई०) जिसे नियम 5 के उप-नियम (7) के साथ पढ़ा जाय, के अनुसार घोषित करता हूँ कि उक्त श्री ओ० महीरति जिस दिन से सदस्य नहीं रहे उनकी उपर्युक्त वित्तीय उप-समिति की कार्यवाही भी समाप्त समझी जायगी।

अपठनीय

अध्यक्ष,

वित्तीय उप-समिति एवं कोयला खान

कल्याण आयुक्त,

धनबाद

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ई०-II(7) —इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में।

श्रेणी 3—भाग 1 के अधीन

- (i) प्रविष्टि "जिलेटिन" के पूर्व "जिल.मेक्स-डी०-यू० के० मेक" जोड़ा जाये।

श्रेणी 6—भाग 2 के अधीन

- (ii) प्रविष्टि "एम० कार्ड 1" के पूर्व "सफ-डी० डेट्स" जोड़ा जाये।

श्रेणी 6—भाग 3 के अधीन

(iii) प्रविष्टि "पाश्चात्य प्रायमर्स" के पश्चात् "नफ-टी-हेटस" प्रविष्टि कट दी जाये।

इगुब नरसिंह भूति,  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग—I)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० प्र०-I/2 (379) —राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली/पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता के निम्नलिखित सहायक निदेशक (ग्रेड 2) को दिनांक 8-3-79 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली/पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने हैं —

क्र० सं०	नाम	अभ्युक्तिता
	सर्वश्री	
1.	ओम प्रकाश	मुख्यालय में
2.	बी० एम० आहलूवालिया	—वही—
3.	एस० के० जैन	—वही—
4.	एस० वेनुगोपाल	—वही—
5.	विक्रमादित्य	—वही—
6.	के० के० हलदर	पू० नि० नि० कलकत्ता में
7.	सी० बी० एल० भटनागर	मुख्यालय में
8.	आर० के० गुप्त	—वही—

पदोन्नति होने पर उक्त अधिकारी सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड I) के रूप में दिनांक 8-3-79 (पूर्वाह्न) से 2 वर्ष के लिए परिकीर्ताधीन रहेंगे।

कृष्ण किशोर,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग—6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० प्र०-6/247 (441)/63—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) और निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए की इन्जीनियरी शाखा के ग्रेड 3) श्री एस० अधिकारी निर्वन्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-3-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

पी० डी० सेठ,  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए०-19012/39/77-स्था० ए० —नेशनल काउंसिल आफ अपलाइड इकानामीस रिसर्च नई देहली में मीनरालोजीस्ट के पद पर खपा लिया जाने पर श्री जी० डी० कालरा का भारतीय खान ब्यूरो में उर खनिज अर्थशास्त्री (आमूचना) के पद का हक दिनांक 1-2-1978 से समाप्त किया जाता है।

एस० बालगोपाल,  
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

सं० 2088बी ए० -19012 (1एस० एन० पी०)/78-19ए०—श्री मलय नारायण पटेल को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 14 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2100 बी ए०-19012 (1बी० के० एस०)/79-19ए०—श्री बासव कुमार मिश्र को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० के प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 19 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2112 बी०/ए०-19012 (1आर० ए० एस०)/78-19 ए०—श्री राम अवतार शर्मा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० 2128बी० /ए०-32013 (1 सहायक भूवैज्ञानिक)/78-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से नियुक्त किया जा रहा है।

1. श्री डी० रामचन्द्रय्याह 27-1-1979 (पूर्वाह्न)
2. श्री दीपक कुमार बोस 27-1-1979 (पूर्वाह्न)



3. श्री संबोधी गुप्ता	29-1-1979 (पूर्वाह्न)
4. श्री बरेन्द्र मोहन बनर्जी	29-1-1979 (पूर्वाह्न)
5. श्री कैलाश मिश्रा	29-1-1979 (पूर्वाह्न)
6. श्री स्वपन कुमार मिह्रा राय	29-1-1979 (पूर्वाह्न)
7. श्रीमती अमला माईनी	27-1-1979 (पूर्वाह्न)
8. श्री श्याम नारायण	29-1-1979 (पूर्वाह्न)
9. श्री रणीद शामशद	31-1-1979 (पूर्वाह्न)
10. श्री एन० एम० यादव	30-1-1979 (पूर्वाह्न)
11. श्री बी० एन० श्रीवास्तव	30-1-1979 (पूर्वाह्न)

बी० एम० कृष्णस्वामी,  
महा निदेशक

#### भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ए०-19011/125/71-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान व्यूरो के डा० व्ही० जे० कुबड़े सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 15-3-79 के अपराह्न से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/142/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान व्यूरो के श्री प्रेम मिह्रा सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 15-3-79 के पूर्वाह्न से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/151/77-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान व्यूरो के श्री कुबेर दत्ता सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 12-3-79 के पूर्वाह्न से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एम० बालगोपाल,  
कार्यालय अध्यक्ष

#### भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० 14/3/79-एम० (टी)-स्मारक (यात्रा) —प्राचीन स्मारक, पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम-6 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मै, (के० बी० सौन्दर राजन), निदेशक (स्मारक), यह निदेश जारी करता है कि राजगिरि पर्वतीय दुर्ग, जिजी, दक्षिण-आरकोड, जिला तामिल-नाडु, स्मारकों में निम्नलिखित तिथियाँ में अर्थात् दिनांक 30 अप्रैल से 5 मई, 1979 तक 10 दिनों के लिये देवी कमलाकन्नियाम्भन के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में प्रवेश नि शुल्क होगा।

के० बी० सौन्दर राजन,  
निदेशक (स्मारक)  
कृते महानिदेशक

#### राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1 दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० एफ० 11-1977/-ए०-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद् द्वारा निम्नांकित स्थायी सहायक पुस्तकाध्यक्षों को 23 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर पुस्तकाध्यक्ष (श्रेणी 2 राजपत्रित) के पद पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री आर० सी० पुरी
2. श्री अनन्त राम सिंह

भीम सैन कालडा,  
कृते अभिलेख निदेशक

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं० 10/11/79-एम०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियर सहायक संवर्ग के श्री बी० रामकुमार को, आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में, स्थानापन्न रूप से, दिनांक 8-3-79 (पूर्वाह्न) से पदोन्नत करते हैं और अगले आदेशों तक, आकाशवाणी, मद्रास में तैनात करते हैं।

जनक राज लिखी  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० ए०-12016/1/78-एम०-पांच—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० रामचन्द्रन, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी मद्रास को नियमित आधार पर 30 अप्रैल, 1979 में आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर नियुक्ति करते हैं।

एम० बी० शेषाद्वि,  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

#### मिविल निर्माण स्कंध

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए०-12023/1/78-सी० डब्ल्यू०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री ए० के० मांगरे को, दिनांक 5 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से, रू० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान में, स्थानापन्न रूप से, सहायक इंजीनियर (मिविल) के पद पर, मिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, हैदराबाद में नियुक्त करते हैं।

2 श्री मांगरे की नियुक्ति पर, उनको पहले दिगुण नियुक्ति प्रस्ताव में बताई गई शर्तें लागू होंगी।

एम० रामस्वामी,  
अगर मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी अधिकारी,  
कृते महानिदेशक

## विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए०-12026/23/78-स्था०-I—सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर श्री आर० एम० जोहरी अनुभाग अधिकारी दिनांक 28 फरवरी, 1979 अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

आर० नारायण,  
उप निदेशक (विज्ञापन)  
कुने वि० और दृ० प्र० निदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए० 12026/30/78-(आर० एच० टी० सी०) प्रशा०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रम मंत्रालय के कांडर के केन्द्रीय सचिवालय सेवा के एक सहायक, श्री शिगाढा सिंह को 3 अप्रैल, 1979 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तथा ग्राम स्वास्थ्य प्रतिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ए० 22012/2/79-प्रशा०-I—राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली के सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) श्री आर० राजगोपाल ने 12 मार्च, 1979 की पूर्वाह्न में राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, बंगलौर के प्लेग सर्विलेंस यूनिट में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, बंगलौर के प्लेग सर्विलेंस यूनिट में सहायक निदेशक के पद पर अपनी बदली हो जाने के परिणामस्वरूप श्री राजगोपाल ने 28 फरवरी, 1979 की अपराह्न को राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 38013/1/78-(के० म० आ० से०)/प्रशा०-I—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा के ग्रेड“ए” के अधिकारी श्री बी० एल० ढोगरा 31 जनवरी, 1979 की अपराह्न में सेवा से रिटायर हो गए।

श्याम लाल कुठियाल  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए० 19012/1/78-स्टोर-I—श्री एस० पी० सोनी, डिप्टी प्रवन्धक, सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, करनाल सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर 31 मार्च, 1979 से रिटायर हो गए।

एम० के० कर्माक,  
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

## कृषि और सिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

## विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ए० 19023/51/78-प्र०-III—वरिष्ठ विपणन अधिकारी (विस्तार) के पद पर नियुक्ति होने के उपरान्त श्री बी० के० सुदामे ने इस निदेशालय के अधीन गन्धर में तारीख 12-4-79 के अपराह्न में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद का कार्यभार सौंप दिया है।

बी० एल० मनहार,  
निदेशक, प्रशासन  
कुने कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद दिनांक 28 अप्रैल 1979

सं० ए० 31014/3/78-प्र०-1—कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार, निम्नलिखित अधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के स्थाई पदों पर मूलस्थ में उनके नाम के आगे विनिर्दिष्ट तारीखों में नियुक्ति करते हैं:—

1. श्री के० बी० प्रसादा राव—16-10-1978
2. श्री ए० के० गुहा—16-10-1978
3. श्री बी० के० घोष—16-10-1978
4. श्री जे० एस० शास्त्री—16-10-1978
5. श्री जी० एम० निरंजने—16-10-1978
6. श्री जे० बी० अपाराव—16-10-1978
7. श्री एम० बी० एस० भरमा—25-11-1978

उपरोक्त अधिकारियों को, निम्न पद पर, ग्रहणाधिकार यदि कोई हो तो, विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर स्थाई होने की तारीख से ममान्य हो जाएगा।

बी० एल० मनहार,  
निदेशक, प्रशासन

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(283)/78-प्रशा०/6676—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्द्वारा इस प्रभाग के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एन० कृष्णकुमार को 30 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न में लेकर अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/76-प्र०-6626—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्द्वारा इस प्रभाग के स्थाई प्रवरण कोटि लिपिक श्री एन०

टी० वारवानी को, 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से 25 मई, 1979 के अग्राह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० बी० नायर के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गए हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/76-प्रशा०-6628--- विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक पद द्वारा हम प्रभाग के स्थायी प्रवर्ण कोटि लिपिक श्री ए० एच० पुत्राणी को, 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से 19 मई, 1979 के अग्राह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० वेण्णगोपालन के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गए हैं।

बी० बी० थाटे,  
प्रशासनिक अधिकारी

#### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 19 फरवरी 1979

#### आदेश

सं० ना० ई० सं०/प्रशा०-5/20/321---जबकि श्री एस० ए० सुभान ड्राइवर ग्रेड-2, ना० ई० सं० के रूप में कार्य करते हुए 21-5-1978 से बिना किमी इजाजत के गैर हाजिर है,

और जबकि उक्त श्री सुभान ने 8-7-1978 के अपने पत्र द्वारा चिकित्सा के लिए 23-9-1978 तक छुट्टी आगे बढ़ाने का अनुरोध करते हुए बताया कि वे हैदराबाद से बाहर जा रहे हैं परंतु उन्होंने अपना पता नहीं बताया,

और जबकि ज्ञापन सं० ना० ई० सं०/पी० ए० टी०/9(5)/189, दिनांक 15-7-1978 जिसमें उक्त श्री सुभान को निदेश दिया गया था कि वे अपनी छुट्टी का पता भेजें उनके अंतिम ज्ञात पते मकान सं० 2-4-1025 निम्बोली अड्डा, काचीगुडा, हैदराबाद-500027 पर रजिस्टर्ड डाक में पावती पर्वी सहित भेजा गया था वो, टिप्पणी---ग्रामामी जिता बताए चला गया है, के साथ लौटा दिया गया,

और जब कि हैदराबाद के पुलिस अधीक्षक निक्की ना० ई० सं० ने सहायता प्राप्त की, ने बताया कि श्री सुभान बम्बई में इस पते पर रहते हैं, मार्फत श्री समदानी, 133 मारंग स्ट्रीट, निचली मंजिल, हम नं० 11, बम्बई-400003,

और जब कि उक्त श्री सुभान को ड्यूटी पर आने का निदेश देा जाता जाँता (नं० टी०-2/ए०-115/डी० सी० प्रो/113 दिनांक 11-1-1979) उक्त हैदराबाद

य बम्बई के अंतिम ज्ञात पते पर रजिस्टर्ड डाक में पावती पर्वी सहित भेजा गया था वो डाक विभाग द्वारा दोनों पतों में यह कहते हुए वापिस लौटा दिया गया कि इस पते वाला इन पतों पर नहीं है,

और जबकि उक्त श्री सुभान ने गैर हाजिर रहना जारी रखा,

और जबकि उक्त श्री सुभान बिना इजाजत के ड्यूटी से गैर हाजिर रहने तथा अपनी गर्जी से सेवा का परित्याग करने के अपराधी है,

और जबकि ना० ई० सं० को आने वर्तमान के बारे में कुछ भी न पता है हुए सेवा का अपनी गर्जी से परित्याग करने के कारण, निम्नहस्ताक्षर कर्ता संतुष्ट है कि ना० ई० सं० के स्थाई आदेशों के पैरा 41 तथा/या केन्द्रीय नागरिक सेवाओं (वर्गीकरण, नियंत्रण व अग्रिम) नियमों 1965 के तहत जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

अब इसलिए, निम्नहस्ताक्षरकर्ता ना० ई० सं० के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1 त्र/68-प्रशा० दि० 3-12-1970 तथा/या के ना० सं० (ब० नि० अ०) नियमों 1965, के नियम 19(2) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इसमें उक्त श्री एस० ए० सुभान को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1979

सं० ना० ई० सं०/प्रशा०-5/20/577---जब कि यह आरोपित है कि,

श्री एस० ए० खादर ड्राइवर ग्रेड 1, ना० ई० सं०, के रूप में काम करते हुए, बगैर किमी पूर्वसूचना/अनुमति के 11-2-1979 से ड्यूटी से गैर हाजिर है, इस तरह उन्होंने ड्यूटी की उपेक्षा की है,

और जब कि उक्त श्री खादर को ज्ञापन सं० ना० ई० सं०/पी० ए० टी०/8(5)/76-653, दिनांक 23-2-1979 के द्वारा ड्यूटी पर फौरन आने और गैर जानूनी गैर हाजिरी के लिए साप्टीकरण दाखिल करने का निदेश दिया गया,

और जबकि उक्त ज्ञापन को उक्त श्री खादर के अंतिम ज्ञात पते मकान सं० 11-1-73, बाजारघाट, हैदराबाद पर रजिस्टर्ड डाक में भेजा गया था, वो टिप्पणी "वितरण के समय उपस्थित नहीं पाया" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

और जबकि उक्त श्री खादर ने गैर हाजिर रहना जारी रखा और ना० ई० सं० को अज्ञात अज्ञात पता बनाने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री खादर, कार्यालय को अपना अता पता बताए बिना ड्यूटी से लगातार गैर हाज़िर रहे इसीलिए निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट हैं कि ना० ई० सं० के स्थाई आदेशों तथा/या सी० सी० एम० (सी० सी० ए०) नियम 1965 के नियम 14 के तहत जांच आयोजित करना व्यावहारिक नहीं है।

अब इसलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ना० ई० सं० के स्थाई आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (13/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० एम० (सी० सी० ए०) 1965, के नियम 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री खादर को तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करने है।

पी० उन्नीकुण्ठन,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

हैदराबाद, दिनांक 31 मार्च 1979

#### ज्ञापन

सं० प्रशा०-4/एम० ई० एम०/सी०-30/878—उप-मुख्य कार्यवाहक, ना० ई० सं०, ने नियुक्ति पत्र सं० पी० ए० आर०/0702/2685 दि० 1-12-1978 के साथ पठित ज्ञापन सं० पी० ए० आर०/0702/सी०-50/2971, दिनांक 20-12-78 के अनुसार श्री आर० चिन्तैया की ना० ई० सं० में कारीगर 'बी' के रूप में अस्थाई नियुक्ति को समाप्त कर दिया है। श्री चिन्तैया को मलाह दी जाती है कि वे अपनी बस पाम, सेक्युरिटी बैज, तथा अन्य सरकारी सामान जो उन्हें दिया गया था, को फौरन प्रबन्धक, एम० ई० एम०, के पाम जमा करा दें तथा लेखा अधिकारी, ना० ई० सं० से अपनी बाकी तनखा व भत्ते प्राप्त कर लें।

यू० वामुदेव राव,  
प्रशासन अधिकारी

हैदराबाद-500 762, दिनांक 23 मार्च 1979

#### आदेश

सं० ना० ई० सं०/प्रशा०-5/20/548—जबकि अनु-शासनिक प्राधिकारी उप मुख्य कार्यपालक ने श्री श्रीनिवासुलू को सेवा से तुरंत प्रभाव बर्खास्त करने का आदेश सं० ना० ई० सं०/प्रशा०-5/20/1783 दिनांक 30-10-1978 से अंतर्गत जारी किया,

और जबकि उक्त श्री श्रीनिवासुलू ने 23-11-1978 को एक अपील कर क्षमा याचना मांगी तथा सेवा में फिर बहाल करने का अनुरोध किया,

और जबकि अपील प्राधिकारी के नाते निम्न हस्ताक्षरकर्ता, उक्त अपील तथा मामले से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार के बाद इस नतीजे पर पहुंचे कि आदेश सं० ना०

ई० सं०/प्रशा०-5/20/1783 दिनांक 30-10-1978 द्वारा आरोपित सजा निम्न तरीके से घटा दी जाए:

“कारीगर ‘ए’ (र० 260—350) के वेतनमान के न्यूनतम स्तर तक 3 वर्षों के लिए उतार तथा इस उतार के कारण भविष्य की वेतनवृद्धियां भी स्थगित होंगी।”

श्री श्रीनिवासुलू द्वारा ड्यूटी पर चढ़ने की तारीख से ये आदेश लागू होंगे। उक्त श्री श्रीनिवासुलू को निदेश दिया जाता है कि वे यह आदेश मिलने की तारीख से 15 दिन के भीतर ड्यूटी पर लौटें।

बर्खास्ती की तारीख से ड्यूटी पर चढ़ने की तारीख के बीच की अवधि को अमाधारण छुट्टी (ई० ओ० एल०) माना जाए, जैसा कि श्री श्रीनिवासुलू ने अनुरोध किया है।

दिनांक 26 मार्च 1979

#### आदेश

सं० ना० ई० सं०/प्रशा०-5/20/595—जब कि श्री के० सी० एच० बी० नारायण, विज्ञान महायक ‘बी’, एस० एस० टी० पी०, ना० ई० सं०, को 12-10-1978 से 20-11-1978 तक 21-11-1978 को छुट्टी के बाद जोड़ने की अनुमति के साथ, 40 दिन की अर्जित छुट्टी प्रदान की गई थी,

और जब कि श्री नारायण छुट्टी खत्म होने के बाद 22-11-1978 को ड्यूटी पर लौटने में असफल रहे,

और जबकि प्रशासन अधिकारी, ना० ई० सं० द्वारा श्री नारायण को ड्यूटी पर लौटने के निदेश वाला जो पत्र श्री नारायण द्वारा छुट्टी के आवेदन पर दिए गए पते—श्री के० सी० एच० बी० नारायण, डाक डोचेपल्ली, तालुका पालनेडु, जिला गुंटूर (आ० प्र०) पर रजिस्टर्ड डाक से भेजा गया था, वो टिप्पणी—“आए नहीं, भेजने वाले को लौटाया जाता है” के साथ बिना वितरित किए ही वापिस लौटा दिया गया,

और जबकि प्रशासन अधिकारी, ना० ई० सं०, ने एक और पत्र सं० ना० ई० सं०/एस० एम० टी० पी०/1102/18, दिनांक 17-1-1979 जारी करके श्री नारायण के ड्यूटी पर फौरन आने को कहा, जो रजिस्टर्ड डाक द्वारा श्री नारायण के अंतिम ज्ञात स्थानीय पते पर मकान सं० 16-2, 147/55/8 आनंद नगर, लेन 4, मलकपेट, हैदराबाद-500 036 पर भेजा गया था, वो भी टिप्पणी—“आसामी बिना बताए चले गए अतः भेजने वाले को लौटाया जाता है” के साथ बिना वितरित किए लौटा दिया गया,

और जबकि उक्त श्री नारायण लगातार गैर हाज़िर रहे तथा ना० ई० सं० को अपना अता पता बताने में असफल रहे,

और जब कि श्री नारायण ना० ई० स० को बिना अपना अता पता बताए ड्यूटी का अपनी मर्जी से परित्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट है कि सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियम 1965 के नियम 14 के तहत जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

और, अब इसीलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियम 1965 के नियम 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री के० सी० एच० वी० नारायण को इससे तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करते हैं।

एन० कोण्डल राव,  
मुख्य कार्यपालक

हैदराबाद-500 762, दिनांक 28 जनवरी 1979

आदेश

सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/167—जब कि यह आरोपित है कि

श्री एम० एन० शमशीर अली कारीगर 'ए' एफ० एफ० पी० के रूप में कार्य करते हुए 6-9-1977 से बिना किसी पूर्व इजाजत या सूचना के गैर हाजिर है तथा काम का नुकसान व उसमें बाधा पहुंचा रहे हैं। उक्त श्री शमशीर अली ने इस कार्यालय के शापनों सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/पी० एफ०/एम०-119/2579 दिनांक 26-10-1977 तथा ना० ई० स०/प्रशा०-4/पी० एफ०/एम०-119 2766, दिनांक 21-11-1977 जिनमें उन्हें फौरन ड्यूटी पर आने को कहा गया था, के बावजूद ड्यूटी पर नहीं लौटे। अपनी उक्त हरकत से उक्त श्री शमशीर अली ने उपर्युक्त शापन के निदेशों की अवहेलना करते हुए खुद को बिना किसी वाजिब उद्देश्य के लिए गैरकानूनी ढंग से गैरहाजिर रखा और इस तरह से उन्होंने ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 39(1) तथा (5) के साथ पठित पैरा 34 के अर्थों में गुरी हरकत की है।

2. और जब कि उक्त श्री शमशीर अली को उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों की सूचना शापन सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/371, दिनांक 11-3-1978 द्वारा दी गई जिसमें उन्हें प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध उक्त शापन मिलने की तारीख से 7 दिनों के भीतर प्रतिनिधित्व करने का मौका प्रदान किया गया था,

3. और जब कि उक्त चार्जशीट जो उक्त श्री शमशीर अली के अंतिम ज्ञात पते —मार्फत श्री एम० एस० ए० बेगम मकान सं० 23-1-276/1 कोटला अलीजाह, हैदराबाद पर भेजी गई थी वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "बिना बताए चले गए" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

4. और जब कि दिनांक 1-4-1978 के आदेश द्वारा जांच आयोजित करने के लिए एक जांच अधिकारी को नियुक्त किया गया जैसा कि ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 41-2 (2) के अनुसार जरूरी है,

5. और जब कि दिनांक 1-4-1978 का उक्त आदेश जो उक्त श्री शमशीर अली को भेजा गया था वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "चले गए" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

6. और जब कि उक्त श्री शमशीर अली को 24-6-1978 तथा 30-11-1978 को जांच के लिए उपस्थित रहने के लिए जांच अधिकारी द्वारा भेजी गई—नोटिसों सं० ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/241/78-18, दिनांक 10-6-1978 तथा ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/24/78-18 दिनांक 10-6-1978 तथा ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/24/78-18, दिनांक 20-11-78 जो उक्त श्री शमशीर अली के अंतिम ज्ञात पते मकान सं० 23-1-276/1 कोटला अलीजाह, हैदराबाद पर भेजी गई थी वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी कमश: "चले गए" तथा "बिना सूचना आसामी चला गया" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

7. और जब कि 13-12-1978 को जांच एकतरफा आयोजित हुई,

8. और जबकि आरोपों को सिद्ध करते हुए जांच अधिकारी ने सं० ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/24 दिनांक 15-12-1978 के द्वारा अपनी जांच रपट दाखिल कर दी,

9. और जबकि निम्न हस्ताक्षरकर्ता जांच रपट की ठीक ढंग से जांच करने के बाद जांच अधिकारी के नतीजों से सहमत हैं तथा आरोपों को सिद्ध मानते हैं व विचारते हैं कि श्री शमशीर अली सेवा में रहने योग्य व्यक्ति नहीं हैं तथा उन्हें बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए,

10. और जबकि अपने बारे में ना० ई० स० को बिना कुछ बताए सेवा का अपनी मर्जी से परित्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट है कि ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 41.5 के अधीन उक्त श्री शमशीर अली के विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है।

11. अब, इसीलिए निम्न हस्ताक्षरकर्ता ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 42 तथा/या के० ना० से० (ब० नि० अ०) नियमों 1965, में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री शमशीर अली को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

एच० सी० कटियार,  
उप मुख्य कार्यपालक

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना  
कलपाक्कम-603 102, दिनांक 31 मार्च 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1211)/77-प्रशा०—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री ए० कामेश्वर राव ने अपना त्यागपत्र स्वीकृत कर लिए जाने पर 28 फरवरी, 1979 के अपराह्न में अपने ग्रेड एस० बी० के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

दिनांक 18 अप्रैल 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1221)/77-प्रशासन—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी०) तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-एस० बी०, श्री ए० डी० गुप्त ने अपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने पर 10 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से एस० बी० ग्रेड में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० बालकृष्णन,  
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टीएपीएस-401504, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19 (3)/76-आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अर्धक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी सहायक लेखाकार श्री वाई० आर० वेलंकार की, 17-3-1979 से 20-4-1979 तक के लिए उसी बिजलीघर में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर विशुद्धतः तदर्थ आधार पर नियुक्त है। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री डी० जी० कटारिया के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर चले गए हैं।

ए० डी० देसाई,  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 020/3(061)/ए/79—इससे उपग्रह केन्द्र के निदेशक अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर और तारीखों के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	तारीख
	सर्वश्री		
1.	जी० एस० वेणुगोपाल	इंजीनियर एस० बी०	4-10-78
2.	डी० पी० जगन्नाथ	इंजीनियर एस० बी०'	16-10-78
3.	वी० नागेश	इंजीनियर एस० बी०'	13-11-78
4.	श्रीनिवास रामानुजम	इंजीनियर एस० बी०'	23-11-78
5.	के० बी० अनन्त राम सुरमा	इंजीनियर एस० बी०'	24-11-78
6.	अण्ण कुमार दाम	इंजीनियर एस० बी०'	7-12-78
7.	के० विजय प्रकाश राव	इंजीनियर एस० बी०'	14-12-78
8.	पी० एम० मोहन	इंजीनियर एस० बी०'	14-12-78
9.	विश्वान प्रसाद देवनगन	इंजीनियर एस० बी०'	22-12-78

के० एस० कृष्णन,  
प्रशासन अधिकारी

बंगलौर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं० 020/3(061)/ए०/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	पदनाम	तारीख
1.	श्री टी० रविदर राव	इंजीनियर एस० बी०	21-3-79
2.	कुमारी एस० फातिमा बातुल	-वही-	4-4-79
3.	श्री राजीव कुमार कालरा	-वही-	9-4-79
4.	श्री एस० विश्वनाथ	-वही-	11-4-79

दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 020/3(061)/आर०/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में इंजीनियर एस० बी० श्री एस० एस० अवलेशकर का सेवा

से तुरान्तर दिनांक 23 मार्च, 1979 के अग्ररात्र में स्वीकार करते हैं।

एस० सुब्रह्मण्यम,  
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए०-22012(1)/11/79/ई०-I—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (योजना तथा दूरसंचार) श्री एस० के० दास को उनके अपने कार्यों के अलावा दिनांक 6-4-1979 से आगामी आदेश तक के लिए, उसी विभाग में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (प्रशासन तथा स्टोर्स) का कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी० के० दास,  
मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० ए० 32013/1/78-ई०-सी०—इस विभाग की दिनांक 12-3-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के तकनीकी अधिकारी श्री आर० सम्पत कुमारन् की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 3-2-1979 के बाद 1-3-79 तक जारी रखने की कार्योत्तर मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति श्री एस० जयरमण, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, मद्रास के स्थान पर की गई है जिन्हें अजित छुट्टियां मंजूर की गई।

दिनांक 26 अप्रैल 1979

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० एल० मेहरा, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली को दिनांक 31-3-79 (पूर्वाह्न) से 26-9-79 तक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/7/78-ई० सी०—राष्ट्रपति, ने नियंत्रक केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री के० पी० एस० नायर, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 31-3-79 (पूर्वाह्न) से छः माह की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने पर और सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री टी० एन० मेहता, तकनीकी अधिकारी (तदर्थ) निदेशक रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली का कार्यालय, ने दिनांक 31-12-78 (अग्ररात्र) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने पर और सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री यू० बी० राधाकृष्णन्, सहायक तकनीकी अधिकारी, संचार नियंत्रक का कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास, ने दिनांक 31-3-79 (अग्ररात्र) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1979

सं० ए० 32013/1/78-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री एन० एस० कुमारस्वामी, स्थानापन्न संचार अधिकारी, नागर विमानन विभाग को दिनांक 7 मार्च, 1979 से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में उप निदेशक (टैरिफ जांच) (रू० 1500-60-1800 के वेतनमान में) के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं० ए० 12025/3/71-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 11 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-ई०-I के क्रम में महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० के० शर्मा, की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 31-12-78 के बाद छः माह के लिए अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

सं० ए० 32013/2/77-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 17-2-1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/77-ई०-I के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री बी० रामसुब्रह्मण्यम निदेशक, प्रशिक्षण एवं अनुज्ञान की नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में निदेशक (योजना एवं मूल्यांकन) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31-1-79 के बाद छः माह के लिए अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

बी० बी० जौहरी,  
सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए० 32014/1/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि 6

मास की अवधि के लिए अर्थात् प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हों, बढ़ाने की अनुमति प्रदान की है।

क्र० सं०	नाम	अवधि	तैनाती स्टेशन
1.	श्री गोपाल सिंह	9-10-79	अमृतसर
2.	श्री एम० गोपाल	13-10-79	बंगलौर
3.	श्री सी० जी० पागे	9-10-79	सान्ताक्रुज
4.	श्री वाई० एल० सोनी	9-10-79	दमदम
5.	श्री एम० एम० भारद्वाज	10-10-79	दिल्ली एयर-पोर्ट, पालम
6.	श्री के० सी० विश्वास	9-10-79	दमदम
7.	श्री वी० की० देवकर	9-10-79	अहमदाबाद
8.	श्री एस० मण्यन	13-10-79	तिरुचिरापल्ली
9.	श्री एस० एल० विश्वास	9-10-79	दमदम

एस० एल० खण्डपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन

#### वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० 16/236/75-स्थापना-I— श्री वी० के० देशपाण्डे, सहायक व्याख्याता, अभियांत्रिकी व सर्वेक्षण, केन्द्रीय वन राज्जिक महाविद्यालय, चन्द्रपुर का दिया हुआ त्यागपत्र दिनांक 15-3-79 के अपराह्न से स्वीकृत किया गया तथा उन्हें उसी दिन से पदमुक्त कर दिया गया है।

सं० 16/319/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री छवी नाथ पाण्डे अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 22 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसंधान प्रयोगशाला, बंगलौर में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/327/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री ओ० पी० राजोरा, अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग को दिनांक 28 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अधीन (I) बीज कोष और (II) बीज सुधार और वृक्ष प्रजनन स्कीम हैदराबाद के जबलपुर केन्द्र में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन,  
कुल सचिव

#### केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

बड़ौदा, दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 6/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-I के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के सहायक समाहर्ता-अधीक्षक श्री एन० आर० जोशी वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1979 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 8/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के अधीक्षक श्री जी० एम० देसाई वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

के० श्रीनिवासन,  
समाहर्ता

पटना, दिनांक 26 अप्रैल 1979

सं० 11(7)2-स्था०/79/4196—कैप्टन विनोद कुमार बेरी की पुनः रोजगार के आधार पर नियुक्ति संचार पदाधिकारी के पद पर संचार निदेशालय, राजस्व विभाग में वेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- तथा रु० 100/- प्रतिमाह की दर से विशेष वेतन पर वित्त मंत्रालय के आदेश सं० 79/78 दिनांक 24-5-78 के द्वारा हुआ जो संचार पदाधिकारी के रूप में संचार निदेशालय, नई दिल्ली के आदेश सं० 8/78 दिनांक 30-5-78 के अनुसार सीमा शुल्क चौकी, रक्सौल में दिनांक 13-11-78 के अपराह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

डी० के० सरकार,  
समाहर्ता

#### नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० 11-टी० आर०(4)/79—राष्ट्रपति, श्री रविन्द्र कुमार सूरी को 1 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में तदर्थ आधार पर इंजीनियरी अफसर के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधु,  
नौवहन उप महानिदेशक

कार्यालय, महानिदेशक

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1979

सं० 27/79/76-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संध लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री ए० एन० देवीकर को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (तथा सामान्य भत्ता) के वेतनमान में रु० 700/- प्रतिमास वेतन पर 20-12-78 (पूर्वाह्न)



से उप वास्तुक के अस्थाई पद पर (केन्द्रीय) सिविल सेवा (ग्रुप ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० एन० देवीकर 20-12-78 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखी जाती है।

3. श्री देवीकर को 20-12-78 (पूर्वाह्न) वरिष्ठ वास्तुक (पूर्व आंचल) का कलकत्ता में स्थानान्तरण किया जाता है।

कृष्ण कांत,  
प्रशासन उप निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अमीपा सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० 560/2074—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, मैसर्स अमीपा सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अहमदाबाद फाईनान्स ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० 560/2186—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अहमदाबाद फाईनान्स ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी रतनपोल चौकसी सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० 560/2318—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स दी रतनपोल चौकसी सेविंग यूनिट

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स विश्वनाथ टैक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० 560/2208—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, मैसर्स विश्वनाथ टैक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,  
प्रमंडल पंजीयक,

गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स अपरादन्य केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 17327/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स अपरादन्य केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एल० एम० गुप्ता,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० नन्दलाल कपूर लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० एस० ओ० 463/278-(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नन्दलाल कपूर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
उड़ीसा

## आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० एफ०-48-ए० डी०/ए० टी०/79—श्री के० के० मिश्र, मुख्य सहायक, इंडियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड नैनी यूनिट, इलाहाबाद, को अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार आय-कर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-

35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान पर दिनांक 16-4-79 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 16-4-79 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० माथुर,  
अध्यक्ष

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश सं० I II-318/अर्जन/79-80—यतः, मुझे, जे० नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नम्बर 438 है, तथा जो थाना नम्बर 4, वार्ड नम्बर 10, सीट नम्बर 61, म्यूनिसिपल प्लॉट नम्बर 583 सैकिल नम्बर 28 पुराना होलिडिंग नम्बर 324, नया होलिडिंग नम्बर 339 आर० के० एवेन्यू रोड (नाला रोड) पटना में स्थित है (और इससे उपाय अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचाने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तःसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती विजया मुखर्जी पत्नी श्री नरेन्द्र नाथ मुखर्जी आर० के० एवेन्यू रोड, (नाला रोड) पटना-4 थाना—कदम कुआं। (अन्तरक)

(2) श्रीमती वासन्ती साहू पत्नी राम नारायण साहू निवासी ग्राम—गिज्जो ठाकुर (पोस्ट) जिला रांची। (अन्तरिती)

3. (1) सर्वश्री पाटलीपुत्र हाईवेयर

(2) बुड सेंटर

(3) धनवन्तरी लेबोरेटरीज और प्रियाम आयुर्वेद भवन

(4) ए० टू जेड० सैलून

(5) गिरधारी लाल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति: जिसमें जमीन का रकबा 1365 वर्ग फीट जिसके कुछ हिस्सों में पक्का का बना दुकान जो आर० के० एवेन्यू (नाला रोड) पटना के मुख्य सड़क पर स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज सं० 5322 दिनांक 14-8-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पटना

तारीख: 25-4-1979

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-III/4-79/338—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-16 है तथा जो मस्जिद मोठ (पंचशील इन्क्लेव) नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-1979 को पूर्वाका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमो करने का उससे उचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डा० प्रवीन कुमार चन्द्रा सुपुत्र ब्रिगेडियर ब्रिज चन्द्रा निवासी डी०-16, मस्जिद मोठ (पंचशील इन्क्लेव) नई दिल्ली-17 इनके अटारनी ब्रिगेडियर ब्रिज चन्द्रा सुपुत्र मेजर जनरल अमीर चन्द निवासी सी-384, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री लाजपतराय खनेजा व केवल दुष्ण खजाने दोनों सुपुत्र श्री लाल चन्द खनेजा द्वारा खनेजा मोटरस 697, हैमिलटन रोड, कणमोरी गेट, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जायेंबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूकान जो लीज होल्ड प्लॉट नं० 16 ब्लॉक डी रिहायशी कालोनी मस्जिद मोठ (पंचशील इन्क्लेव) नई दिल्ली-17 में निम्न प्रकार स्थित है —

उत्तर: प्लॉट नं० 17

दक्षिण: प्लॉट नं० 15

पूर्व: सड़क

पश्चिम: सर्विस लेन

डी० पी० गोयल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-4-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

अ प्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वयन, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-III/4-79/339—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 9 बीघा 12 बिस्वा जमीन, खसरा नं० 1847 व 1848 है तथा जो गांव छतरपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-9-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्मधन में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

3-66GI/79

1 (1) राजिन्दर पल (2) गुनर्शन कुमारी (3) राजिव मन्होत्रा (4) अन्नु मन्होत्रा, निव सी 4-सी०/4, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (1) श्री लक्ष्मण दाम कटारिया (2) श्रीमती शीला कटारिया निवासी पंच०-15/14, माधवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कास्तकारी जमीन एरिया 9 बीघा 12 बिस्वा जिसका खसरा नं० 1847 (4-16) और 1848 (4-16) है गांव छतरपुर नजदीक महरोली दिल्ली राज्य की सीमा में स्थित है।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-III/4-79/337---

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जमकी सं० 2 बीघा 6 बिस्वा है तथा जो जमीन, खसरा नं० 491, गांव बुरारी दिल्ली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैसर्स साहनी एन्टरप्राइस (प्रा०) लिमिटेड आफिस 14, द्वितीय फेस, द्वितीय मार्केट, अणोक बिहार, दिल्ली इसके मैनेजिंग डायरेक्टर श्री केशो दाम साहनी के द्वारा (अन्तरक)

2. (1) बणेश्वर लाल अग्रवाल (2) रामेश्वर लाल अग्रवाल निवासी सी०-22, माडन टाउन, दिल्ली-91 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**परिष्कारण:--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जमका क्षेत्रफल 2 बीघा 6 बिस्वा, खसरा नं० 491 गांव बुरारी दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

तारीख : 27-4-79

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, I दिल्ली-1

4/14 क, ग्रामफोनी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश न० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एम० आर०-III/  
अगस्त-II/583/1978-79—अतः मुझे, डी० पी० गोयल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-11 है तथा जो चिराग इन्क्लेव, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उगावट्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 30-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिष्ठा, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बतावित करने का कार्य वर्तमान में है—

(क) अन्तरण यह है कि प्रा. को बादा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में  
कमा करत या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी कमा या शायद्व या अन्य आशिया को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्रीमती लीना मायादास धर्मपत्नी श्री करम मायादास,  
रेजिडेंट, 93 चित्रकोट आल्तामाउन्ड रोड, बम्बई-26  
(अन्तरक)

2 श्री रिणी वरमानी पुत्र लेट डाक्टर डी० सी०  
वरमानी और श्रीमती डाक्टर लाज वरमानी धर्मपत्नी  
श्री रिणी वरमानी रेजिडेंट सी-11 चिराग इन्क्लेव, नई  
दिल्ली। (अन्तरितो)।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक 2½ मजिग बिल्डिंग जो प्लॉट क्षेत्रफल 500 वर्ग  
गज पर बनाया हुआ। उसका नम्बर सी-11 चिराग  
इन्क्लेव, नई दिल्ली।

पूर्व—सी०-12

पश्चिम—सी०-10

उत्तर—सर्विस लेन

दक्षिण—रोड कैम्पिंग पार्क।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख . 30-4-1979

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली-1 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एम० आर०—  
III/मितम्बर-II/(36)/673/1978-79—अतः मुझे,  
डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-48 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
बिना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती राम दुलारी विधवा श्री बदरी नाथ तलवार  
रेजिडेंट सी-48, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2 श्री तिरथ राम तुली पुत्र श्री खुशी राम, रेजिडेंट  
सी-48, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

शरणोक्ति:— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2½ मंजिल बिल्डिंग जो प्लॉट नं० सी-48 पर  
बनाया हुआ, क्षेत्रफल 500 वर्गगज जोकि स्थिति ग्रेटर कैलाश-I,  
नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-4-1979

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/सितम्बर-I(33)/1978-79—अतः मुझे, डी० पी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एल०-227 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्जन --

1. श्री फकीर चन्द रस्तांगी, 25 मानू मार्ग, अलवर। (अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिनी त्रिखा, एन-227, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लॉट नं० एन०-227 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज पर स्थिति ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, दिल्ली-1 4/14 क, आमफअनो मार्ग नई, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-III  
/मितम्बर-II(41)/678/78-79--अत मूवे, डी० पी०  
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 21 है तथा जो सावित्री मिनेमा  
काम्पलेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० डी० एन० एफ० यूनाइटेड लि०, 21-22,  
नारीन्द्र लेम, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)।

2 (1) श्री धर्मवीर नाँगिया, सुपुत्र श्री तुलसीदास नाँगिया  
(2) श्री विजय कुमार नाँगिया, नाबालिग तथा (3)  
श्री जयन्त नाँगिया (नाबालिग), दोनों सुपु० श्री धर्मवीर  
नाँगिया, निवासी ई-215, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सावित्री मिनेमा काम्पलेक्स की सर्व निम्न मंजिल पर  
दुकान जिसका नं० 21 है और क्षेत्रफल 209 वर्ग फुट  
है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल,  
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०—III/  
सतम्बर-II(40)/667/78-79—अतः मुझे, डी० पी०  
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 20 (नीचे मंजिल) है तथा  
जो मिनेमा बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 26-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिणी (भन्तरितियों)  
के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
भन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एन० एफ० यूनाइटेड, लिमिटेड नरेन्द्र  
प्लेस, पार्लियामेंट गली, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. श्रीमती प्रेम लता सोनी धर्मपत्नी श्री ओ० पी०  
सोनी (अन्तरिणी)

3. श्री राजेन्द्र कुमार सोनी पुत्र श्री ओ० पी० सोनी,  
एन०-14, लाजपत नगर—III, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिशोध में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 20 (नीचली मंजिल) वर्गफुट जोकि  
स्थिति मिनेमा बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०—  
III/सितम्बर-2(24)/666/78-79—अतः मुझे, डी० पी०  
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 307 है तथा जो सावित्री मिनेमा कम-  
प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 21-9-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 69-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 21-22,  
नरीन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्री विजय कुमार काजला, सुपुत्र मेजर एल० सी०  
काजला, निवासी 20, चानन मिह पार्क, दिल्ली कैन्ट।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ऑफिस जो कि प्लॉट नं० 307 की तीसरी मंजिल  
में जोकि सावित्री मिनेमा कमप्लेक्स की बिल्डिंग में है,  
जिसका क्षेत्रफल 615.6 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०—  
III/मितम्बर-II(18)/660/1978-79—अतः मुझे, डी०  
पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 पहली मंजिल है तथा  
जो मावित्री सिनेमा कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में बंसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा कियो धाय या किसी वन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-66GI/79

1. मैं० डी० ए० ए० यूनाइटेड लिमिटेड 21-21  
नारेन्द्र पलेय, पार्श्वामेट गली, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विनोद भूषण गुप्ता, पुत्र श्री बी० सी० गुप्ता,  
31-एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
इस उचित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दफ्तर फ्लैट नं० 101 (पहली मंजिल) वर्गफुट 554.6  
जोकि स्थिति मावित्री सिनेमा कम्प्लेक्स, बिल्डिंग, ग्रेटर  
कैलाश-II, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०-1/एम० आर०-III/  
सितम्बर-II(8)/656/1978-79—अतः मुझे, डी० पी०  
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० बेशमेंट है तथा जो सावित्री सिनेमा कम-  
प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाधुक्त अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 18-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण बिधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मेसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22  
नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट गली, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मेसर्स आर० आर० इन्टरप्राइजेज थरो श्री राकेण  
खोसला मैनेजिंग पार्टनर और श्रीमती कमल खोसला  
धर्मपत्नी श्री राकेश खोसला रेजिडेंट वी/5 हीरा महल  
एपार्टमेंट 44, रिटाउन रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-ब में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेशमेंट एयारी सावित्री सिनेमा कम्प्लेक्स बिल्डिंग,  
3287 वर्गफुट जोकि स्थित ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आस०—

डी० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 206 है तथा जो सावित्री मिनेमा कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1 म० डी० एल० एक० यूनाईटेड लि०, 21-22, नारिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. लेफ्टिनेन्ट कर्नल मित्रार्थ कुमार (एच० यू० एक०) सुपुत्र श्री मादू राम, निवासी सी०-4/49, सफदरजंग डबलपमेंट स्कीम, नई दिल्ली। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आफिस जो कि सावित्री मिनेमा कम्प्लेक्स की दूसरी मजिन पर है, इसका फ्लैट नं० 206 है और क्षेत्रफल 481.7 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1,

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/मिसम्बर-II(3)/655/78-79-अतः मुझ, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जमकी सं० 201 है तथा जो माविनी सिनेमा कम्प्लेक्स, ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रवृत्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मांत:—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 21-22, नारीन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (1) श्री कर्नल जोगिन्द्र सिंह पुरी, सुपुत्र श्री दिवान सिंह पुरी (2) श्रीमती चरणजीत पुरी, पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह पुरी (3) श्री आदर्श पुरी (4) फ्लाईट लेफ्टिनेन्ट डा० शशी के० एस० पुरी, दोनों सुपुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह पुरी, सभी निवासी ई-476, ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के पञ्चवर्ष में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस जो कि माविनी सिनेमा कम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर है, इसका प्लॉट नं० 201 है और क्षेत्रफल 556 6 वर्ग फुट है, ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-4-1979

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/मितम्बर(30)/641/78-79—अतः मुझे, डी० पी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105 है तथा जो सावित्री मिनेमा काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०, 21-22, नारिन्द्रा पलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी श्री बी० एल० आहुजा, निवासी ई-275, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 39 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आफिस जो कि सावित्री मिनेमा काम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर है, इसका फ्लैट नं० 105 है और क्षेत्रफल 481.7 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०—III/  
सितम्बर—I(29)/640/78-79—अतः मुझ, डी० पी० गोयल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 9 है, तथा जो सावित्री सिनेमा  
कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 14-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटितः—

1. म० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 21-22,  
नारिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-I (अन्तरक)।

2. श्री जे० पी० गुप्ता, सुपुत्र श्री हरी राम, निवासी  
604, आकाशदीप बिल्डिंग, नई दिल्ली (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सावित्री सिनेमा कम्प्लेक्स बिल्डिंग की पहली पर दुकान  
नं० 9 जिसका क्षेत्रफल 282.1 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979  
मोहर:

प्रकरण आई टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
सितम्बर-I (22)/1978-79/636—अतः मुझे, डी० पी०  
गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० पुकान नं० 22 है, तथा जो सावित्री  
सिनेमा कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्वं रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 17-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिफल अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरित  
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
होने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22,  
नारेन्द्र पलेस, पार्लियामेंट गली, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. श्री रत्न किशन सुखानी पुत्र श्री बी० के० सुखानी,  
रेजिडेंट बी-31 कैलाश एपार्टमेंट, साजपत राय मार्ग,  
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुकान नं० 22 (निचली मंजिल) वर्गफुट 193.9  
जोकि स्थिति सिनेमा कोम्प्लेक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एम० आर०-III/  
सितम्बर-I(7)/629/1978-79—अतः मुझे, डी० पी०  
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 202 है तथा जो सावित्री सिनेमा  
कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
4-9-1978 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मेमर्स डी० एल० एफ० यून।इटेड लिमिटेड, 21-22,  
नारेन्द्र पलेस, पालियामेंट गली, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मास्टर अरुण खन्ना (मायनर) पुत्र श्री विजय कुमार  
खन्ना रेजिमेंट 33/30 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मात्रा:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्वाधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर फ्लेट नं० 202 (दूसरी मंजिल) 61739  
बर्गफुट जोकि स्थित सिनेमा कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II;  
नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/मितिम्बर-1(6)/628/78-79—अतः मुझे, डी० पी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 502 है तथा जो सावित्री सिनेमा कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 21-22, नारीन्द्रा पलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्रीमती सुभाषिणी कुमारी, पत्नी श्री नन्द कुमार निवासी 15, महादेव रोड, नई दिल्ली (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस जो कि सावित्री सिनेमा कॉम्प्लेक्स की पार्श्वी मंजिल पर है, इसका फ्लैट नं० 502 है और क्षेत्रफल 613.9 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-79/151—यतः मुझे, जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 18 मरले यानि (950 वर्ग गज) खमरा नं० 3041/1511/5 है तथा जो कि सुल्तान विड शहरी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मनमा देवी विधवा श्री शोरी लाल निवासी मकान नं० 1093, बाहर कूचा, खार्ड वाला कटडा खजाना, अमृतसर। (अन्तरक)।

7. श्री सतीश कुमार पुत्र श्री रोशन लाल निवासी राम गली, कटडा अहलूवालिया, अमृतसर। (अन्तरिती)।

3. जैसा कि ऊपर पैरा 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 18 मरले (950 वर्ग गज) खमरा नं० 3041/1511/5 जो कि सुल्तान विड शहरी, अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 1670/1 दिनांक 4-8-78 आफ रजिस्ट्रिंग अध्यापिटी, अमृतसर में दर्ज है।

जी० एल० गारू

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-3-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 मार्च 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/152—यतः मुझे, जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 341.7 वर्ग मी० (410 वर्ग गज) जिसमें एक शौड, चिमनी बाउंडरी वाल है जो कि चमरंग रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरिन्द्र मिह पुत्र श्री नत्था मिह निवासी कोट बाबा दीप मिह मकान नं० 3806, गली नं० 2, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. फर्म नेशनल आईरन स्क्रैप कम्पनी प्लॉट नं० 267, चमरंग रोड, अमृतसर (खसरा नं० 627)। (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वहां अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 341.7 वर्ग मी० यानि (410 वर्ग गज) खसरा नं० 627 एक शौड, चिमनी और बाउंडरी वाल है जो कि चमरंग रोड, अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 1930/1 तिथि 28-8-78 आफ रजिस्ट्रीग अधिगिटी, अमृतसर शहर में दर्ज है।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-3-1969

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/3—यतः मुझे,  
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मीटर है तथा जो कि गोपाल नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

पूर्वोक्त, मांति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को भारत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्रीमती प्रीतम कौर विधवा श्री सेवा सिंह गली नं० 2  
7, हुकुम सिंह रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

7. श्री जतिन्द्र नाथ भण्डारी पुत्र श्री बाल मुकुन्द भण्डारी, गोपाल नगर, अमृतसर। (अन्तरित)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्ज के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मी० है खसरा नं० 336, 100, 337, 2-2, खसरा नं० 801/863 जमावदी साल 1971-72 (334 वर्ग मी०) जो कि गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है जैसा रजिस्टर्ड डीड नं० 2283/1 तिथि 20-9-78 आफ रजिस्ट्रार अथारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,  
सक्षम अधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर,

तारीख : 17-4-79  
मोहर:



परक आई० टी०एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० ग० एम० आर०/29-80/4—यत मुझे,  
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1336  
वर्ग मीटर है तथा जो कि गोपाल नगर अमृतसर में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 22—11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में  
स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में से करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
अथवा

(ख) जहां किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम, धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती प्रीतम कौर विधवा श्री सेवा सिंह गनी न०  
2 स्व० सिंह रोड अमृतसर। (अन्तरक)।

7 श्रीमती लीला वन्ती विधवा श्री अर्जन दाम निवासी  
वर्तमान जिला करनाल। (अन्तरिती)।

3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार  
हो तो (वह व्यक्ति जिसने अधिभोग में संपत्ति है)।

4 यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता  
है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

1 श्रीमती रत्न देई विधवा मोहन लाल, गोपाल नगर,  
अमृतसर।

2 श्री भगवान दास पुत्र मोहन लाल, गोपाल नगर,  
अमृतसर।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

संश्लेषण. —इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1330 वर्ग मी०  
खमरा न० 336, 1-0 337, 2-2 खाता न० 801/  
863 जमाबंदी साल 1971-72 (334 वर्ग मी०) जो  
कि गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड  
डीड न० 3091/1 तिथि 77-11-28 आफ रजिस्ट्रींग  
अथॉरिटी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 12-4-1979

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/5—यतः मुझे,  
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मीटर है तथा जो कि गोपाल नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती प्रीतम कौर विधवा श्री सेवा मिह निवासी मकान नं० 21, गली नं० 7 हुकुम मिह रोड, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा रानी पुत्री श्री अमर नाथ प्लॉट नं० 42, गोपाल नगर, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मी० खसरा नं० 336, 1-0, 337, 2, खाता नं० 801/863 जमाबन्दी साल 1971-72 (334 वर्ग मी०) जो कि गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3400/1 तिथि 15-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 17-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/बी टी एल/79-80/6—

यत मुझे, एम० के० घर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन महाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत है तथा जो कि जी० टी० रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 7 बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अगस्त, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचति :—

1 श्री बलदेव राज, केवल कृष्ण पुत्रान आदिया राम,  
गांव बटाला मुहल्ला प्रेम नगर तहसील बटाला जिला  
गुरदासपुर। (अन्तरक)

2 श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी वेद प्रकाश 1/2 भाग  
श्रीमती कमलेश रानी पत्नी सुदर्शन कुमार 1/2 भाग निवासी  
बटाला, तहसील, बटाला। (अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में और कोई किराएदार  
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता  
हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कि जी० टी० रोड, बटाला में है जैसा  
कि रजिस्टर्ड डीड न० 3663 तिथि 21-8-78 आफ  
रजिस्ट्रींग अथारिटी बटाला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० घर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख 19-4-1979  
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/7—यतः सुझे,

एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 कनाल है तथा जो कि काला धनुपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चनन सिंह पुत्र नरेश सिंह गांव हंड, तहसील सबाल जिला अमृतसर अब शरीफपुरा, अमृतसर । (अन्तरक)

7. श्री मुचा सिंह, तथा सिंह पुत्रान करतार सिंह गांव काला धनुपुर तहसील अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराणदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

संज्ञाकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 कनाल (नहरी) खसरा नं० 51/2 7-12, 19 6-8, 12/2 6-19, 18/1 0-2, /12 3-7, /13 8, /19 6-2, 22/1 3-19 23/7 0-16, जो कि गांव काली धनुपुर तहसील अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 613 दिनांक 31-8-28 आफ रजिस्ट्रींग अथारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० के० धर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मोहर :

प्राकृतिक संपत्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निदेश सं. ए० एस० आर०/79-80/8—यत मुझे एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का टुकड़ा है तथा जो कि सुलतान बिड़ रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एम० किमो धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-66GI/79

1 श्री देव राज पुत्र श्री गोगल दाम निवाली चौरस्टी अटारी गली जुल्का, मकान न० 314/11, अमृतसर (अन्तरक)

2 श्री रवि मोहन कपूर पुत्र श्री मनोहर लाल कपूर निवासी कूचा तवारिया, मकान न० 3561/11, अमृतसर। (अन्तरिणी)

3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 954 वर्ग गज है जो कि सुलतान सिंह रोड, अमृतसर शहर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड न० 1707/1 आफ रजिस्ट्रींग अपारिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख 20-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निर्देश नं० ए० एम० आर०/79-80/9—यनः मूले, एम० के० घर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट नं० 24 है तथा जो कि गार्डन कालोनी, अमृतसर में है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से कम अन्तरण प्रतिशत में स्थाविक रूप से कथित नहीं किया गया —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंवा प्रायः किसी घन या अन्य धार्मिकों के, जिन पर भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स पाइनीर इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन, अमृतसर द्वारा श्री राकेश चन्द, सीमा खन्ना और सुषमा खन्ना, निवासी 61-दसौधा सिंह रोड़, अमृतसर। (अन्तरक)।

2. श्री राज कुमार पुत्र श्री महेश दाम और श्री अशोक कुमार पुत्र श्री राज कुमार कपूर रोड़, अमृतसर C/O बेरी और कम्पनी

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम निश्चित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट नं० 24 जिसका क्षेत्रफल 454317 वर्ग मी० खसरा नं० 1332 जो कि सरकुलर रोड़, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 1801/1 तिथि 14-8-78 आफ रजिस्ट्रिंग अधावटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० घर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-79

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निवेदन सं० ए० एस० आर०/79-80/10—यतः मुझे,  
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल  
18 मरले है तथा जो कि गांव तरमिक्का में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 4 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाब की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री धर्म सिंह पुत्र नन्द सिंह पुत्र हीरा सिंह निवासी  
गांव तरमिक्का तहसील अमृतसर जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. सर्वश्री धर्म सिंह, मलूक सिंह, अमरीक सिंह,  
प्रीतम सिंह पुत्रान श्री सुरजन सिंह गांव तरमिक्का तहसील  
अमृतसर जिला अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार  
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति हम जायदाद में रुचि रखता  
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 16 मरले 1/2  
भाग (25 कनाल 18 मरले) जो कि गांव तरमिक्का  
तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं०  
2964 तिथि 4-8-78 आफ रजिस्ट्री अथॉरिटी अमृतसर  
के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/11—यतः मुझे,  
एम० के० धर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल  
4 मरले है तथा जो कि गांव गालोवाली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
21 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अवसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बसन्त सिंह पुत्रान हरनाम सिंह गांव मजीठा  
तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. सर्वश्री गुरदीप सिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान शिंगारा  
सिंह मलूक सिंह, अमरीक सिंह, बिरसा सिंह, सर्वजीत सिंह  
पुत्रान मुख्तार सिंह, लखा सिंह, बलकार सिंह, हरभजन  
सिंह पुत्रान उपकार सिंह, निवासी काला धनुपुर तहसील  
अमृतसर जिला अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो  
तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति हम जायदाद में रुचि रखता  
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल 4 मरले है  
जो कि गांव गालोवाली तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा  
कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3141 तिथि 21-8-78 आफ रजि-  
स्ट्रींग अथारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

माहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/12—यतः मुझे,  
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कि बटाला में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 9 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय के बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को  
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री बंद करतार सिंह पुत्र जसवंत सिंह बटाला,  
तहसील बटाला जिला गुरदासपुर कृष्णा आबादी, सरकुलर  
रोड, बटाला। (अन्तरक)

2. श्री मदन लाल, महिन्द्र कुमार पुत्रान श्री देव राज  
और श्रीमती पुष्पा वती पत्नी श्री मदन लाल निवासी  
बटाला, तहसील बटाला कृष्णा आबादी, सरकुलर रोड, बटाला  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार  
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अग्रधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता  
हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि कृष्णा आबादी सरकुलर रोड बटाला  
में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3585 आफ  
9-8-78 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी बटाला के कार्यालय  
में दर्ज है।

एम० के० धर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निर्देश नं० ए० एस० आर० 79-80/13—अतः मुझे  
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल  
2 मरले है तथा जो कि गांव लालपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन-तारन रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
8-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र जोध सिंह गांव लालपुर, तहसील तरन  
तारन जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह सिंह पुत्र मंगल सिंह गांव : लालपुर  
तहसील तरन तारन अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० में और कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता हो।  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 2 मरले है जो कि  
गांव लालपुर तहसील तरन-तारन में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार  
डी० नं० 3831 दिनांक 8-8-78 आफ रजिस्ट्रींग अध्याप्टी  
तरन-तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-79  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

सं० ए० एस० आर०/79-80/14--यतः मुझे, एम०  
के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत नं० 5 है तथा जो कि बाजार  
टाहली साहिब, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
13 मितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक से रूप से कक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज भल्ला विधवा श्री बृज भूषण भल्ला  
निवासी चण्डीगढ़, मैक्टर 21, कोठी नं० 320। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमलावती विधवा श्री मदन मोहन निवासी  
लक्कड़ मण्डी, गली कम्बोजां, मकान नं० 2126,  
अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किराएदार  
हो तो सर्वश्री 1. माई दाम, 2. हजारी माल और कं०,  
3. मुंशी राम बिहारी लाल 4. फकीर चन्द 5. शाम लाल  
अग्रवाल 6. हीरा लाल द्वारा इमारत नं० 5 बाजार टाहली  
साहिब गली व कीलां, अमृतसर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस संपत्ति में रुचि रखता  
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक इमारत नं० 5 जो कि बाजार टाहली साहिब  
गली वकीलां अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं०  
2165 दिनांक 13-9-78 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर  
शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 20-4-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/15---यतः मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो कि मजीठा रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांरी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या छिमी घन या अन्य वास्तुयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः :—

1. श्रीमती चन्द्र मोहिनी पत्नी श्री पृथ्वी लाल पुत्री श्रीमती राम कुमारी निवासी 9 मजीठा रोड, अमृतसर। (अन्तरक)।

2. डा० गुरुमुख सिंह बाबा पुत्र श्री गुरदियाल सिंह बाबा, निवासी अमृतसर मजीठा रोड, मकान नं० 2, रघुनाथपुरा। (अन्तरिती)।

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति, इस संपत्ति में रुचि रखता हो श्री जगत नाथ पुत्र श्री नन्द लाल, निवासी मजीठा रोड, अमृतसर। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग मी० (600 वर्ग गज) खसरा नं० 1378, 1376 और 1379 जो कि मजीठा रोड, सामने रघुनाथपुरा, अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीज नं० 2188 दिनांक 14-9-78 आफ रजिस्ट्रींग अधांरिटी, अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/16—यत, मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट जिसका अरकन 1336 वर्ग मीटर है, तथा जो कि गोमाल नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णता में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्षण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

7—66GI/79

1. श्रीमती प्रीतम कौर विधवा श्री सेवा सिंह गली नं० 2, हुकम सिंह रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती तुलसी देवी पुत्री लाला टोपन दास कूचा लम्बां, अमृतसर

(अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जापदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मी० खसरा नं० 336,1-0, 337, 2-2 खाता नं० 801/863, जमाबन्दी साल 1971-72 (334 वर्ग मी०) जो कि गोमाल नगर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2282/1 तिथि 20-9-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/17—यत, मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रिमन्त्रालय द्वारा की गई विज्ञापन करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल 10 मरले है तथा जो कि कालाधनुपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 अगस्त 1978 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्मरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि उपाबद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और प्रत्युत्पत्ति (प्रत्युत्पत्ति) के बीच ऐसा अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरक द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चनन सिंह पुत्र श्री नरेश सिंह गांव डड, तहसील क्षवाल जिला अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री करतार सिंह पुत्र श्री सेवा सिंह निवासी गांव काला धनुपुर तहसील अमृतसर (अन्तरक)
3. जैसा कि ऊपर स० 2 में श्री कोई किराणदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि श्री कोई व्यक्ति इस पत्रावलि में हवि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके पत्र में प्रयोगकर्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके उपाबद्ध सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या मन्त्रिमन्त्रालय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यादेशों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल 10 मरले (तहरी) खसरा नं० 51/7/1, 2-12, 7/3, 0-17 7/2, 3-3, 8/7-11, 21-4-78 114, 8-00, 17 2 2-7, 13 8-1, जो कि गांव काला धनुपुर तहसील अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 611 दिनांक 2-4-78 आफ रजिस्ट्रार अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 21-4-1979  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, फरीदकोट

फरीदकोट, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 551/फरीदकोट/79-80—यतः मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सजन प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो डोंगर बस्ती में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीलता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1978 को

पूर्वार्कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वार्कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बाव ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाय अन्तरर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जतिन्द्र पाल सिंह, परमपाल सिंह, सुखपाल सिंह सपुत्र होशियार सिंह पुत्र गुरदित सिंह और श्रीमती मनमोहन कौर पत्नी होशियार सिंह, फरीदकोट (अन्तरक)

2. श्री भगत राम द्वारा मै० भगत राम मोहन लाल, ग्रेन मण्डी, कोटकपुरा।

(अन्तरिती)

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वार्कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना का सनाय में 30 दिन की अवधि, जो भा अधिवाद में सनायत हाया हा, के भीतर पूर्वार्कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जो कि डोंगर बस्ती फरीदकोट में जैसा कि विलेज न० 2261 तितम्बर 78 रजिस्ट्रीलता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, फरीदकोट

तारीख : 26-4-79  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मोंगा

मोंगा, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 552/मोंगा/79-80—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पुराना कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ 4 तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हरदयाल सिंह पुत्र बहल सिंह (अन्तरक)  
(2) श्रीमती हनीर होर निववा श्री बहल सिंह पुत्र पुत्र किशन सिंह, मोंगा।
2. श्री सुरिन्द्र कुमार मनोचा पुत्र जगदीश राय मनोचा पुत्र बरकत राम, मकान नं० 716, महल्ला कुमीका गोवार, मोंगा।
3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिनके अधिनियम में सम्पत्ति है)
4. जैसा कि धारा नं० 2 में बताया है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ज़रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के ग्राह्यत्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होने दो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्राह्यत्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ज़रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, की अन्य मोंगा, जो उस अध्याय में दी गई हैं।

अनुसूची

एक रिहायशी मकान, पुराना कोटकपुरा, नजदीक बस अड्डा, जैसा कि विलेख नं० 5222 अक्तूबर 78, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोंगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
तक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मोंगा

तारीख: 26 अप्रैल 1979  
मोहर :



प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मोगा

मोगा, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

निर्देश नं० ए० पी० 553/एमजी०/79-80—अतः मुझे  
पी एन० मलिक  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है और जिसकी गं०

जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गान्धी रोड, मोगा में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख  
नवम्बर, 1973 को पूर्णतः सशर्त के उचित बाजार  
मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री निजाम लाल पुत्र श्री भगु राम पुत्र पृथ्वी लाल  
(2) राजरतन राय पुत्र लक्ष्मी राम पुत्र पृथ्वी लाल पानी मोगा मंडी।

2. श्री अमृत लाल, विश्व बन्धु और विजय कुमार सपुत्र  
श्री मुकुन्द लाल पुत्र श्री पृथ्वी लाल द्वारा कुलवंत राय मुकुन्द लाल  
पुरानी मंडी, मोगा।

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीश्टाक्षरी  
जाहिरा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के प्रजा के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजा के पंजी में कोई भी त्रुटि :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45  
दिन को प्रातिपदिक तारीखों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिनों के प्रकाश, जो भी प्रकाश बाद  
में मनाया जाता है, को मोटा पूर्णतः व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में। इतना किसी  
प्रकार के द्वारा, प्रकाश, जो तारीख में  
किया जा सके।

साक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त अक्षरों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एल प्लेट 5 का जो कि गान्धी रोड, मोगा जैसा कि विलेख  
नं० 5785, नवम्बर 1978 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मोगा

तारीख : 26 अप्रैल 1979

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मोगा

मोगा, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निदेश सं० एपी 554/एम जी ए/79-80—अतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाँधी रोड, मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अतुल लाल विश्व बन्धू और विजय कुमार सुनुत श्री मुकुन्द लाल, पुत्र श्री पृथ्वी मल द्वारा कुलवंत राय मुकुन्द लाल, पुरानी मंडी मोगा।  
(अन्तरक)

2. श्री अतुल लाल विश्व बन्धू और विजय कुमार सुनुत श्री मुकुन्द लाल, पुत्र श्री पृथ्वी मल द्वारा कुलवंत राय मुकुन्द लाल, पुरानी मंडी मोगा।  
(अन्तरिणी)

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अयोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी धार्थ्य :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मान्य होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लेट 5 रु० जो कि गाँधी रोड मोगा जैसा कि विलेख सं० 5784, नवम्बर 1978 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मोगा।

तारीख : 26-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक, 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 454/एफूरे-III/78-79/कल अव: मुझे, भास्कर मेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 2 बि है तथा जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसे उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अनामिका बिलन्डर्म प्रा० लिमि० (अन्तरक)  
20 गनेश चन्द्र एमिन्यू, कलकत्ता ।
2. रमेश मेहता और नरेश मेहता (अन्तरिती)  
33 डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, कलकत्ता ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पत्र के कार्य को आदेश :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घटाईस्ताभरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समुचा फुट '2बि' जो 33 डा० राजेन्द्र रोड कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर मेन  
सक्षम प्राधिकारी,  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, III  
54, रफी अहमद किवर्दी रोड,  
कलकत्ता-16 ।

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 155/ए.ए.रे० III/78-79/1 ल.—अतः मुझे, भास्कर

सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति निम्न उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० फुट 6 बि० है जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (तीनों उक्त उभावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बाव में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अनामिका विन्डर्स प्रा० लि० (अन्तरक)

20 गणेश चन्द्र एमिन्स, कलकत्ता

2. केदार नाथ बोस (अन्तरिती)

5 बि०, रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोच में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें पञ्चसप्त गवर्शों और पड़ों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, शामिल नहीं किया जा रहा है अतः में दिया गया है।

अनुसूची

समुदाय फुट '6 बि०' जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन

सश्रम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रॉय III

54, राफी अहमद किववई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 22 फरवरी 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 459/एक्यूरे—III/78-79/कल०—अतः मुझे,  
भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फुट 5 बि० है तथा जो 33, डा० राजेन्द्र रोड,  
कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 3-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

8-66GI/79

1. मैसर्स अनामिका विल्डम प्रा० लिमि० (अन्तरक)  
20 गनेश चन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता
2. गिना घोष दस्तिदार (अन्तरिती)  
33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
— किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समूचा प्लॉट '5 बि' जो 33 डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर  
अवस्थित।

भास्कर सेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III  
54, रफी अहमद क़िदवई रो  
कलकत्ता-16

दिनांक : 22-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० सि० 53/रेंज-IV/कल/1978-1979  
—यतः, मुझे, एम० के० दामगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या पी-148 है तथा जो क्लक-बी, लेक टाउन,  
कलकत्ता-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 16-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में  
वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) एसी तो आय या हिसो धन या अन्य आस्तियों  
को विन्त भारतोय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महदानन्द दास (अन्तरक)

2. श्री माखन लाल सेन, प्रवीर कुमार सेन, सुतमु सेन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

पी० 148, क्लक-बी, लेक टाउन, कलकत्ता-55 में स्थित  
4 कट्टा 2 स्को० फिट खासी जमीन, जैसे के दलील सं० 4102  
(1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दामगुप्ता  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II कलकत्ता  
54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 6-2-1979  
मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 5 ए० सी०/रेंज, IV कल/1979-80—अतः,  
 मुझे, एस० के० दामगुप्ता,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है  
 और जिसकी सं० जे० एल० नं० 18 है तथा जो पी० एन० मयना-  
 गुरी डि० जलपाईगुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन, दिनांक 1-8-78  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों यथातः—

- |                         |            |
|-------------------------|------------|
| 1. श्री गनपतराय पाटनी   | (अन्तरिती) |
| 2. श्री ज्ञानचन्द पाटनी | (अन्तरक)   |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

#### अनुसूची

तीजी नं० 84, ज० एल० नं० 11, पी० एन० मयनागुरी  
 परगना साउथ मयनागुरी, जमीन का परिमाण 15.124 बिघा।

एस० के० दामगुप्ता  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, 54, रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 6-4-79  
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी० 6/रेंज/V/कलकत्ता/1979-80—यतः,

मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 438 है, तथा जो भीरिंगी, दुर्गापुर-13 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

1. श्री दुर्गादास चटर्जी, धर्मदास चटर्जी और चण्डीदास चटर्जी (अन्तरक)

2. श्री बासुदेबो साहू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नचन रोड, भीरिंगी, दुर्गापुर-13 में स्थित 5 कट्टा (5 Kattas) खाली जमीन है। खतियान नं० 1235, दाग नं० 435, डि० वर्धमान।

एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 9-4-1979

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी०-7/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80—

यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० जे० एल० सं० 110 है, तथा जो थाना—  
सिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सिलिगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-78 तथा 22-8-78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जबरमल पिपलवा उर्फ समी, गर्धर पिपलवा  
उर्फ समी, किशोर कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा, अशोक  
कुमार पिपलवा उर्फ समी, पवन कुमार पिपलवा  
उर्फ समी तथा ललि कुमार पिपलवा उर्फ समी  
(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा देवी अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

.070 एकर जमीन साथ मकान जो के जिला—दार्जिलिंग  
थाना तथा मौजा सिलिगुड़ी, जे० एल० सं० 110, ख० सं०  
2395, प्लॉट सं० 8486 पर स्थित है, जैसे के दलिल सं०  
4726 दिनांक 22-8-78 तथा दलिल सं० 4624 दिनांक  
9-8-78 में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उस दलिलों से  
अन्तरित हुई है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 6-4-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 39/ए०यू०जी०/78—यतः मझे, श्री आनन्दराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो वेंकटरमन-  
सामी कोवील स्ट्रीट, दरमपूड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दरमपूरी (डाक० सं० 1601/78) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
17-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० नरसिंगराव और दस अदर्स (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि और घर, वेंकटरमनसामी कोवील स्ट्रीट, दरमपूरी  
में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 19-1-1979

मोहर :

प्ररूप धार्ड० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 47/ए० यू० जी०/78—यतः मुझे, श्री०  
भानुन्दराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है तथा जो काफी एस्टेट, एरकाड, सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० एरकाड (आकु० सं० 160/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुझान करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः या किसी वा या अन्तःप्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रालफ एरनेस्ट एगजेवीयर

(अन्तरक)

2. कुमारी मीनाक्षी और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18.41 एकर्स काफी एस्टेट, एरकाड में।

श्री० भानुन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 19-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

अध्यायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निदेश सं० 53/अगस्त/78—अतः मुझे श्री० आनन्दराम  
आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो दोरैसामीपुरम गांव काकी-  
वडमपट्टी पंचायत में स्थित है (और इससे उपाय में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
एस० आर० ओ० शिवकाशी (डक० सं० 2144/78) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन 19-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से  
कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में दुबिधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बालकृष्णन

(अन्तरक)

(2) श्री संकरनीगम

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अग्नीकलवरल भूमि 106 एकड़, दोरैसामीपुरम गांव,  
काकीवडमपट्टीपंचायत में ।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 20-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) कुमारी टी० एन० गीता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० एम० कुदरतुल्ला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश म० 12/आरए/78—अतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० काफी एस्टेट है, जो बीकड मकान में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० एकाड (डक सं० 44/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 9-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-66GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11 एकड काफी एस्टेट भूमि वैल्लकडे, एकाड तालुका में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 24-4-79

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 13/असगत/78—अतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो वीणकड एकाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० डी० एकाड (डक सं० 145/98 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अधेष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती टी० एन० वटमनी

(अन्तरक)

(2) श्री ई० एफ० कुद्रंतूला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

29.82 एकर काफी एस्टेट भूमि वेल्लकड गांव, एकार।

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

तारीख : 21-2-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 21/अगस्त/78—ओ० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन मन्त्रिम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/825, 825ए है, जो मेयीन बाजार स्ट्रीट  
सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०  
1 सेलम (डाक० सं० 2766/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जातः—

(1) श्रीमती रहमतजान और अनदर

(अन्तरक)

(2) श्री के० वी० मोहम्मद कोया और तीन अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 1/825, 825ए, मेयीन बाजार स्ट्रीट,  
सेलम है।

ओ० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 3-4-1979

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1979

निदेश सं० 22/अगस्त/78—अतः मुझे, ओ० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) - (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, जो नार्त मादा चरच स्ट्रीट रायपुरम  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० आर० ओ० रायपुरम  
(डाक० सं० 926/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-1978 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कर के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी  
(अन्तरिनी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से इसे किसी आय को दर्शाने उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या विधि या या अन्य मास्तिथों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए या, छिपान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्-  
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मरीया अगस्टा भारसेलीना डी० सीलवा जान  
(अन्तरक)

(2) श्री अली नजीर रसदी  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तरण के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त  
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अनुच्छेद में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर सं० 5, नार्त मादा चरच स्ट्रीट, रायपुरम,  
मद्रास।

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 9 मार्च 1979

मोहर :



प्रकट धार्द. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1979

निर्देश सं० 51/अगस्त/78—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 67 है, जो तमिल संगम रोड, मदुरै में स्थित  
है (और इससे उपावृत्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय (एस० आर० ओ० पूछूमन्डपम  
(डाक० सं० 1475/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया जा रहा है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अस्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री वी० एस० रामनादन चेटीयार और अदरस  
(अन्तरक)

(2) श्री ए० एस० ए० सोमसुन्दरम चेटीयार  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया  
गया है।

पुण्यपुत्री

भूमि और घर, सं० 67, तमिल संगम रोड, मदुरै में।

श्री० आनन्दराम  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 2-3-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी एन० एस०—  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 4803—यत, मुझे ओ० आनन्दराम  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० ए० एस० सं० 27 है, जो पेरीयकोट्टे ग्राम  
उठूमलपेट (5.85 एकरस) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
उठूमलपेट (डाकुमेंट सं० 2374/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त  
78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयाजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

- (1) श्री एम० कनगसबापती  
एम० ठकविनामूरती  
एम० राजकोपालन  
श्री एस० बनगारुस्वामी नायडू (अन्तरक)  
(2) श्री एस० सुब्रमनियम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पंचत्र में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वस्तधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अधिकृतचुरन भूमि—टी० एस० सं० 27, पेरीयकोट्टे  
ग्राम, उठूमलपेट, (5.85 एकरस) (डाकुमेंट सं० 2374/78)

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 12-4-1979

मोहर

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 6557—यतः मुझे श्री० आनन्दराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से  
अधिक है और जिसकी सं० 152 है तथा जो क्रिसमस रोड, मद्रास-6  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकूमेट  
सं० 919/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
के सुविधा के लिए;

(1) श्री ए० मोहम्मद ईमाम साहिब

(अन्तरक)

(2) श्री बी० न० सं० एम० चन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-152, क्रिसमस रोड, मद्रास-6 (डाकूमेट सं०  
919/78)।

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 4857—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 37 (यार्ड) है, जो पोल्लाञ्ची घुडस वेड  
रोड में स्थित है (और इसमें उदाहरण और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोल्लाञ्ची (डाकु०  
(डाकुमेंट सं० (1769/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहनसुन्दरम, बालसुब्रमनीयम और आरुमुहम  
(अन्तरक)

(2) श्री आर० राजकोपाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही प्रर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-37 (यार्ड) घुडस वेड रोड पोल्लाञ्ची  
(डाकुमेंट सं० 1769/78)

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री मोहनमुन्दराम, बालमुन्नमनियम  
और आरुमुहम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सवित्री (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 4857—यतः मुझे ओ० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० 37 (पारट) है तथा जो घूठम पेड रोड पोल्लाच्ची  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है); जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची  
(डाकुमेंट सं० 1758/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 37 (पारट) घूठम पेड रोड, पोल्लाच्ची  
(डाकुमेंट सं० 758/78)

ओ० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 12-4-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 4806—यनः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 463 है, जो कुमारन स्ट्रीट तिरुचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुचूर (डाकुमेंट सं० 1958/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (1) एफ० रोसमेरी, (2) एफ० जेम्स अन्तनीनी एफ० मरीया बिरन चिसजान, एफ० टेगली मरीया और एफ० जोन जिलिया मेरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० राजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अखौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि और घर—163, कुमारन स्ट्रीट तिरुचूर (डाकुमेंट सं० 4806/78)

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 4797—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 11, है, जो रा० टी० टी० कालनी, कोयम्बटूर  
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट  
सं० 2528/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) अधीन 16 अगस्त 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
तन्त्र प्रविणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्न में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुसीला रामचन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्री किरुबाचन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर-11, रा० टी० टी० कालनी, कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 2528/78)

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०

(1) राजे घनसालवेस, ई० सलठाना  
और मसकरनहास ।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री पनचूरा एस्टेट्स लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 4786—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सं० 37/1ए, है, जो ओ० वेल्लीग्राम  
घूठलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घूठलूर  
(डाकुमेंट सं० 645/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) अधीन अगस्त 78 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्वेष्टाकारी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि, निर्माण, मशीनरी गुड़ विल राउसेटरा 37/1ए, ओ०  
वेल्ली ग्राम, घूठलूर (डाकुमेंट सं० 645/78) ।

ओ० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 12 अप्रैल, 1979

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) सी० रा० रजाक, एस० हजरम्मा, एम० जवेडी,  
एम० नबीयुन्नीसा और एस० सोविया ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० के० अब्दुल रहमान ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निवेश सं० 4785—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० 28/13ए है, जो पेरियस्वामी रोड कोयम्बटूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं०  
2350/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) अधीन 16 अगस्त 78(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;भूमि और घर—28/13ए, पेरियस्वामी रोड कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 2350/78)

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 2, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-4-1979

मो हार :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 4849—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 15/85 है, जो एम० आर० पी० नगर है, जो  
सायबाबा मिशन, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गांधीपुरम कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1972/78)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16 के अधीन 16 अगस्त 78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में शक्तिशालि रूप में कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्ना  
जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तावितः—

(1) श्रीमती जाकरती कालिंगरायन

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० नन्दा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—15/85 एस० आर० पी० नगर, सायबाबा  
मिशन, कोयम्बटूर, (डाकुमेंट सं० 1972/78)।

श्री० आनन्दराम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 6578—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिनकी सं० 2 (पार्ट) है तथा जो जखरैया कालोनी,  
IV स्ट्रीट, कोडमपाखम, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाखण्ड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कोडमपाखम (डाकुमेंट सं० 2595/78) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1907 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त 1978  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

(1) श्रीमती पदमा लोचनी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेतुगोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषितकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-2 (पार्ट) जखरैया कालोनी IV स्ट्रीट कोडम-  
पाखम, मद्रास (डाकुमेंट सं० 2595/78)।

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख : 20-4-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती वी० कमतूरी बाय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० वेनुगोपाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 6578—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 (पार्ट) है तथा जो जखरैया कालोनी, IV स्ट्रीट कोठमपाखम, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमपाखम (डाकुमेंट सं० 2596/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर नं० 2 (पार्ट) जखरैया कालोनी, IV स्ट्रीट कोठमपाखम, मद्रास (डाकुमेंट सं० 2596/78)

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-4-79

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 6578—यतः मुझे श्री० आनन्दराम आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 60 से अधिक है और जिसकी सं० 2 (पार्ट) है तथा जो जखरैया कालोनी, कोठमराखम, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय कोठमराखम (डाकुमेंट सं० 2594/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के लिए अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित करने के योग्य है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी व्यक्ति को वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम होने का उद्देश्य प्राप्त करने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्ना ज्ञात नहीं था, लिपान में सूचना के लिए;

प्रतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित प्रतिकल, अधिनियम :—

11—66GI/79

(1) श्रीमती एम० प्रभा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० वेनुबाबाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराई हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के दौरान पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताअगी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति

भूमि और घर-2 (पार्ट) जखरैया कालोनी, कोठमराखम मद्रास (डाकुमेंट सं० 2594/78)।

श्री० आनन्दराम  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-4-79

मोहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं० 6559—यतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 28 है तथा जो न्यू बोघ रोड, कन्नमापेट मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाकुमेंट सं० 931/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकता का प्रमाण नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बचन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिया धन या अन्य मास्त्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री जी० कुलुस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री पी० गनमुहम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रार्थनाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अनुयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-28, न्यू बाघ रोड, कन्नमापेट, टी० नगर मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 931/78)

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोज II, मद्रास

तारीख : 20-4-1979  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 6595—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० 32, II मेथीन रोड, है तथा जो कस्तूरबा नगर, कोट्टूर, मद्रास 20 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैदापेड़ (डाकुमेंट सं० 1763/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

(1) श्री श्री० जी० पारतमारती  
श्रीमती राजलक्ष्मी  
पारतमारती

(अन्तरक)

(2) श्री आर० मीनद्वाराज मूषनार

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—सं० 32, II मेथीन रोड कस्तूरबा नगर, कोट्टूर मद्रास-20 (डाकुमेंट सं० 1763/78)

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 17-4-79  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 6511—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 23, है तथा जो सुल्लिवन घारडन रोड, मद्रास-  
4 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर  
(डाकुमेंट सं० 1111/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक कर से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थातः—

(1) श्री डाक्टर टी० आर० कमालकर राव  
(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेनकटेशम चेट्टी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 12 सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यादेशों के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
पदों होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-23, सुल्लिवन घारडन स्ट्रीट, मद्रास-4  
(डाकुमेंट सं० 1111/78)

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 17-4-79

मोहर :



प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 6504—यतः मुझे श्री० आनन्दराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4, बिपम वालरस अवेन्यू है तथा जो (वेस्ट) मेल्लापूर, मद्रास में स्थित है (और इसमें वपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाकुमेंट्स सं० 2975/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरण (अस्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए नय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के जम्मा के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) यिनडीयन मिशनरी सोसाईटी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० विजयलक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विलंब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-4, बिपम वालरस अवेन्यू मेल्लापूर, मद्रास  
(डाकुमेंट्स सं० 2975/78)

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख . 17-4-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 8306:—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 273/1, है, जो एम० टी० एच० रोड  
तिरुनिरवूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुनमल्ली  
(डाकूमेंट सं० 1804/78) से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल 6 निम्न अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्री दि रामय्यर वेरिमिसिली कम्पेनि ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एम० एस० अजीज और ए० अहमद  
जलाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर-273/1 एम० टी० एच० रोड, तिरुनिरवूर  
(डाकूमेंट सं० 1804/78)

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री एम० घोबिनदराजपिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० ए० पथिमस्तान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 8304—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पिल्लयार  
नारत स्ट्रीट, नन्नीलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नन्नीलम (डाकूमेन्ट सं० 1379/78) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिण था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और घर—पिल्लयार नारत स्ट्रीट नन्नीलम  
(डाकूमेन्ट सं० 1379/78)।

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्राकृतिक धर्म-टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1978

निदेश सं० 6562/अगस्त/78:—यतः मुझे, श्री० आनन्द  
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिनकी सं० मद्रास 17, विजयरागवा चारि रोड, है डोर  
सं० 37 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
टी० नगर मद्रास (डाकुमेंट सं० 934/78) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24 अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जेमे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय भागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप में लाने नहीं करा गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की शक्ति उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कर  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वस्तु या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गतों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सारा याचामनि (गरस्वति)

(अन्तरक)

(2) लासंन अण्ड टौबरो एम्पलाईस कोआपरेटिव  
हाउस बिल्डिंग सोसायटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, टी० नगर विजयरागवा चारि रोड, डोर०  
सं० 37 में 15 आउण्ड और 1067 स्कूयर फीट (भकान  
और भूमि)

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 27-4-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) सिम्को मीटर्स लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) डुरामैट्रिक इदिया लिमिटेड।

(अन्तरिती)

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 6603/अगस्त/78—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 265-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सैदापेट तालुका, कारपाक्कम गांव में 12-62 एकर में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर०, सैदापेट, डाकुमेंट 1109/78 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, चर्चातः--  
12-66GI/79

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैदापेट तालुका, कारपाक्कम गांव, में 12-62 एकर (सर्वे सं० 128/1, 128/2, 128/3, 128/5, 129, 130, 131, 132, 133/1, 133/2, 133/3, 134/ए और 136/बी)।

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास.

तारीख : 27-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 6512—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 53 है तथा जो राजा स्ट्रीट, तिरुकोवीलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकूमेंट सं० 3092/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम :—

(1) श्री एम० के० पारतसारती नायडू।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रत्ननाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतजी

भूमि और घर 53, राजा स्ट्रीट, तिरुकोवीलूर (डाकूमेंट सं० 3092/78)।

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 24-4-1979.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती पी० सरस्वती अम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती राजम कृष्णन ।

(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल, 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है ।

निर्देश सं० 6528—यतः मुझे श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जमकी सं० 60/21, है तथा जो एडवरडू एल्लियट्स रोड, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (ठाकूमेट सं० 1149/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकरण लिखित में शास्त्रबद्ध रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :-

अनुसूची

भूमि और घर 60/21 एडवरडू एल्लियट्स रोड, मद्रास-4 (ठाकूमेट सं 1149/78) ।

श्री० आनन्दराम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास.

तारीख : 24-4-1979.

मोहर :

प्रारूप धारा-टी० एन० एस०—

(1) शक्ति फ्रानचिस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विशा बलरामन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं० 8317—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 12, है तथा जो लालबहादुर शास्त्री रोड, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं० 1918/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित यथावत, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर सं० 12, लाल बहादुर शास्त्री रोड, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं० 1918/78)।

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).  
अर्जन रेंज-III, मद्रास.

तारीख : 24-4-1979  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 8327—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 24, II-मेथिन रोड रामनिगर,  
पुनूर ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ट्रिची (डाकूमेंट सं० 2346/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978  
को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री आर० पानडीयन ।

ए० नामप्पन (अन्तरक)

(2) श्री एस० श्रीदरन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर प्लॉट सं० 24, I-मेथिन रोड, रामनि-  
नगर पुनूर, ट्रिची (डाकूमेंट सं० 2346/78) ।

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).  
अर्जन रेंज-II, मद्रास.

तारीख : 24-4-1979.

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 8322—यतः मुझे श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2, है तथा जो नरसिमह पुरम, बी० प्लॉट II-रो, कर्नूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूर (जाकूमेंट सं० 2865/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) सर्वश्री बी० समनमनन और एन० एल० नील-कनटन ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री आर० मुत्तुमातिखम चेदीयार और एम० वल्लीयम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर सं० 2, नरसिमह पुरम बी० प्लॉट, II-रो, कर्नूर (जाकूमेंट सं० 2865/78) ।

श्री० आनन्दराम,  
सहायक प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख : 24-4-1979.

मोहर :

प्ररूप प्रार्थ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश संख्या राज/महा० आ० अर्जन/528—प्रतः मुझे, हरी शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्ष-प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है तथा जो फतेहपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से प्रतिपादित किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती दुर्गा देवी पत्नि स्व० श्री जयदयाल उर्फ जयदेवजी पुत्र बंशीधर जी एवं श्री कन्हैयालाल दत्तक पुत्र श्री बी० चंडी प्रसाद जाति माजन पोदार निवासी सर्व फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खमानी, युसुफ पुत्र याकूब, अब्दुल रहमान पुत्र मेहनुद्दीन एवं श्री अब्दुल रजाक पुत्र श्री अब्दुल रहमान गोरी जाति मुसलमान ब्यो-पारी फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधना —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

जमीन का टुकड़ा जिसके प्लॉट नं० 3 है और जो वार्ड नं० 12 में स्थित मोहरे का भाग है और उप पंजियक, फतेहपुर द्वारा क्रमांक: 275 दिनांक 11-8-78 पर पंजिबद्ध विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 25-4-1979

मोहर:

प्राकृप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश सं० राज/महा० आ० अर्जन/527—अतः युझे,  
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 है तथा जो फतेहपुर में  
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 11-8-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती दुर्गा देवी पत्नि स्व० श्री जयदयाल उर्फ  
जयदेवजी पुत्र बंशीधर जी एवं श्री कन्हैयालाल  
दत्तक पुत्र श्री सी० चंडी प्रसाद जाति महाजन  
पोदार निवासी सर्व फतेहपुर जिला सीकर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खमानी, युसुफ पुत्र याकूब, अब्दुल  
रहमान पुत्र महनुद्दीन एवं श्री अब्दुल रजाक पुत्र  
श्री अब्दुल रहमान गौरी जाति मुसलमान  
व्योपारी निवासी फतेहपुर जिला सीकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसके प्लॉट नं० 4 है और जो वार्ड  
नं० 12 में स्थित नोहरे का भाग है और उप पंजियक,  
फतेहपुर द्वारा क्रमांक : 276 दिनांक 11-8-78 पर पंजिबद्ध  
विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 25-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 25 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० राज/महा० आ० अर्जन/529—अन : मुझे हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है तथा जो फतेहपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—66GI/79

(1) श्रीमती दुर्गा देवी पति स्व० श्री जयदयाल उर्फ जयदेवजी पुत्र बंशीधर जी एवं श्री कन्हैयालाल दत्त पुत्र श्री सी० चंडा प्रसाद जाति महाजन पोदार निवासी गवर्न फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खमानी, युसुफ पुत्र याकूब, रहमान पुत्र मेहनूद्दीन एवं श्री अब्दुल रजाक पुत्र श्री अब्दुल रहमान गोरी जाति मुमलामान व्यापारी निवासी फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मोरर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसके प्लॉट नं० 2 है और जो बाई नं० 12 में स्थित मोहरे का भाग 2 और उप पंजियक, फतेहपुर द्वारा क्रमांक 273 दिनांक 11-8-78 पर पंजिबद्ध विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 25-4-1979

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश सं० राज/महा० आ० अर्जन/526—अतः मुझे,  
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो फतेहपुर में  
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 11-8-1978

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में गणनित रूप में तय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रमती दुर्गा देवी पत्नि स्व० श्री जयदयाल उर्फ  
जयदेवजी पुत्र बंशीधर जी एवं श्री कन्हैयालाल  
दत्तक पुत्र श्री सी० चंडी प्रसाद जाति माजन पोदार  
निवासी सर्व फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खमानी, युसुफ पुत्र याकुब, अब्दुल  
रहमान पुत्र मेहनूद्दीन एवं श्री अब्दुल रजाक पुत्र  
श्री अब्दुल रहमान गोरी जाति मुमलमान व्यापारी  
निवासी फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसके प्लॉट नं० 2 है और जो बार्ड  
नं० 12 में स्थित नोहरे का भाग है और उप पंजीयक,  
फतेहपुर द्वारा क्रमांक: 273 दिनांक 11-8-78 पर पंजिबद्ध  
विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

दिनांक : 25-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 25-4-1979

निर्देश सं० राज/महा० आ० अर्जन/541—यत्तः मुझे,  
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट है तथा जो सिरोंही में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरोंही में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 26-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कां गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)  
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा  
के लिए, और/त

(ख) ऐसी किसी आय या नसीब या अन्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती भगवती देवी पत्नि श्री धनराज नागोरी  
जाति जैन श्रीसवाल निवासी सिरोंही जिला  
सिरोंही (राज०) (अन्तरक)

(2) श्री मिलाप चन्द पुत्र जवेरचन्द 2, श्री जचन्ती  
लाल एवं 3. शैलेश कुमार पुत्रान मिलाप चन्द  
जाति जैन श्रीसवाल निवासी सिरोंही (एच०  
यू० एफ०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहिय करवा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट का हिस्सा (नोहरे का) जिसका क्षेत्रफल 4778  
वर्गफुट है और बहिर्वा बाग, सिरोंही में स्थित है और उप  
पंजियक, सिरोंही द्वारा क्रमांक 75 दिनांक 26-2-1979  
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

हरी शंकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 25-4-1979  
मोहर :

## प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० के० एन० एल०/15/78-79—अत. मुझे,  
रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
क स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जमकी सं० प्लॉट नं० 12 रकबा 749 4/5 वर्गगज  
है तथा जो सेशन टाउन मार्ग, करनाल में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्तूबर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० डी० नारंग पुत्र श्री भगवान दास नारंग  
निवासी शक्ति कालोनी, करनाल। (अन्तरक)।
2. सर्वश्री अनिल कुमार गुप्ता, अश्विनी कुमार गुप्ता  
पुत्रान श्री विद्या मागर निवासी मकान नं० 9, नई मंडी,  
करनाल। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति प्लॉट नं० 12 रकबा 749 4/5 वर्गगज तथा  
जो सेशन टाउन मार्ग, करनाल में स्थित है और जैसे कि  
रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4106  
माम अक्तूबर, 1978 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-2-1979  
मोहर :



## प्रथम भाई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 मार्च, 1979

निदेश सं० बी० जी० आर०/16/78-79—अतः मुझे  
रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 52, ब्लाक डी, एन० एच०-3,  
है तथा जो न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद में स्थित है (और  
इसमें पञ्चाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़, में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उपयुक्त बचत में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी प्राप्ति या किताब या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किताब जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री तेज बहादुर लाल पुत्र स्वर्गीय ईश्वर दास  
निवासी 2/26 कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली बजरमें  
मुक्तयार ग्राम श्री मोहन लाल महेन्द्रा पुत्र श्री देवी राम  
निवासी 2/26, कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. सर्वश्री (1) सुरेश चन्द्र गुप्ता, (2) चन्द्र भूषण  
गुप्ता, (3) सुधीर चन्द्र गुप्ता, (4) हरीश चन्द्र गुप्ता  
पुत्रान श्री संत लाल गुप्ता, निवासी 3-डी-42 बी० पी०,  
न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद। (अन्तरितो)।

को यह सूचना जारी करके शांतिमयता के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रवर्णन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति बजट नं० 52, ब्लाक डी०, नेबर हूड-3, न्यू  
टाउनशिप फरीदाबाद तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़,  
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3273 तिथि 16-8-78  
पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 26-3-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निदेश सं० के० टी० एन०/5/78-79—अतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार पठानियां,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 313 कनाल 15 मरले है तथा जो पट्टी कामस्थान, कैथल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) ईश्वर चन्द (2) बृज मोहन लाल, (3) कृष्ण गोपाल पुत्रान श्री बाबू राम, निवासी पट्टी कामस्थान, कैथल। (अन्तरक)।

2. दि कैथल बिल्डिंग सर्विस कम्पनी मार्फत श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री धनपत राय निवासी कैथल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 313 कनाल 15 मरले (जमाबन्दी 1975-76), खेत सं० 185/280, किता नं० 52), जो नि पट्टी कामस्थान, (कैथल) में स्थित है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1793 तिथि 2-11-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-4-1979

मोहर

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd May 1979

Subject :—SUMMAR VACATION—1979.

No. F.44/79-SCA(Genl).—Further to this Court's Notification No. F.44/79-SCA(Genl) dated 25th April, 1979 the Hon'ble Chief Justice of India has, under Rule 6 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended), been pleased to appoint Hon'ble Mr. Justice D. A. Desai and Hon'ble Mr. Justice R. S. Pathak to be vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly, during the period shown against their names below :—

The Hon'ble Mr. Justice D.A. Desai from 7th May to 10th June, 1979.

The Hon'ble Mr. Justice R. S. Pathak from 11th June, 1979 to 15th July, 1979.

The Hon'ble Mr. Justice D. A. Desai will sit in Court on Tuesday, the 22nd May and 5th June, 1979 and the Hon'ble Mr. Justice R. S. Pathak on Tuesday, the 19th June and 3rd July, 1979. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

R. SUBBA RAO  
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 1st May 1979

No. F.6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri S. K. Atal, permanent Proof Reader, as Officiating Section Officer against an ex-cadre post with effect from the forenoon of 18 April, 1979, until further orders.

No. F.6/79-SCA(I).—Shri M. P. Saxena, Registrar, Supreme Court of India has retired from the services of this Registry with effect from the afternoon of 30 April, 1979.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. Subba Rao, Deputy Registrar to officiate as Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 1 May, 1979 until further orders vide Shri M. P. Saxena since retired.

MAHESH PRASAD,  
Deputy Registrar (Admn. J.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 20th April 1979

No. A.12024/3/78-Admn.I.—In partial modification of this Office Notification of even No. dated the 15th November, 1978, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri K. Subramanyam IAS, (Andhra Pradesh Cadre) to the post of Additional Secretary & Controller of Examinations, Union Public Service Commission in the scale of Rs. 2500-125/2 & 2750, in the office of the Union Public Service Commission with immediate effect until further orders.

No. A. 32013/2/77-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. R. Bhaskaran, lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 20.4.1979 to 19.7.1979 or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN  
Under Secretary,  
for Chairman  
Union Public Service Commission

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 24th April 1979

No. 06 PRS 005(i). On completion of his term of deputation in the Govt. of India, the services of Shri R. K. Sharma, IAS at present Secretary, Central Vigilance Commission are placed at the disposal of Govt. of Madhya Pradesh w.e.f. the afternoon of 24th April, 1979.

No. 06 PRS 005(ii).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Ramesh Chandra, IAS, as Secretary, Central Vigilance Commission w.e.f. the afternoon of 24th April, 1979 until further orders.

The 26th April 1979

No. 68 RCT 14.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri O. P. Sharma, an officer of the Indian Revenue Service (1960), as Deputy Secretary in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 12th October, 1978, till the afternoon of 6th March, 1979.

No. 68 RCT 14.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri O. P. Sharma, an Officer of the Indian Revenue Service (1960) as Director in the Central Vigilance Commission, with effect from the forenoon of 7th March, 1979 until further orders.

The 27th April 1979

No. 75 PRS 053.—Consequent upon his appointment as Secretary, Central Vigilance Commission, Shri Ramesh Chandra IAS, at present working as Commissioner for Departmental Inquiries in this Commission relinquished the charge of this post w.e.f. the afternoon of 24th April, 1979.

K. L. MALHOTRA  
Under Secy.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPTT. OF PERSONNEL &amp; A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th April 1979

No. C-3/68-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri Charanjiv Lall, an Officer of Haryana State Police, to officiate as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from 16-4-1979 (F.N.) and until further orders.

The 25th April 1979

No. S-20/65-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Angrish, Senior Public Prosecutor, CBI, on promotion as Dy. Legal Adviser in CBI/SPE in a temporary officiating capacity with effect from the forenoon of 11-4-1979 and until further orders.

He relinquished charge of the office of the Senior Public Prosecutor, CBI, STU, in the afternoon of 31-3-1979.

S. K. JHA  
Dy. Director (Admn.)  
Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 26th April 1979

No. 0 II-1109/73-Fstt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation Shri Atma Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 39 Bn., CRPF on the afternoon of 31-3-1979.

The 27th April 1979

No. O. II. 1100/78-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mongala Rajan as Junior Medical Officer on ad hoc basis with effect from 3/3/79 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 2nd May 1979

No. O. II-1173/74-Estt.—The President is pleased to allow Shri Arun Chatterjee, Dy. S.P. in the CRPF, to retire voluntarily from service under the scheme of voluntary retirement for Central Government Employees contained in the MHA (P&AR) O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-1977.

2. Shri Chatterjee relinquished charge of the post of Dy. S.P. 4th Bn., CRPF on 20-3-1979 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, PUNJAB

Chandigarh, the 6th October 1978

## ORDER

No. Admn. I/A/183.—A notice under Rule 15(4) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 alongwith copy of the inquiry report and findings of the Disciplinary Authority was issued to Shri Naunihal Singh, Selection Grade Auditor vide Memo. No. Admn. I/PF/Naunihal Singh/SGA/9422 dated 3-4-1978. The notice has been received back undelivered with the remarks of postal Authorities that Shri Naunihal Singh has refused to accept it.

The notice (alongwith connected documents) was also sent to him by Registered Post, Acknowledgement Due at the last known address of Shri Naunihal Singh as shown in his application received in this office on 18-10-1977. The envelope containing the said documents was also received back undelivered with the remarks by the Postal authorities as 'Refused'. I am satisfied that Shri Naunihal Singh, Selection Grade Auditor is wilfully evading the acknowledgement of memorandum No. Admn. I/PF/Naunihal Singh/SGA/9422 dated 3-4-1978. Further action is now to be taken as if the document has been served and due notice has been given to the employee concerned.

In the notice dated 3-4-1978 mentioned above, it had been concluded that Shri Naunihal Singh was not a fit person to be retained in service. Shri Naunihal Singh was also asked to make any representation which he might wish to make on the proposed penalty but he has not made any representation. Keeping all the facts in view, I as disciplinary authority have come to the conclusion that Shri Naunihal Singh, S.G.A. is not a fit person to be retained in Government Service and order his dismissal from service.

L. P. KHANNA

Accountant General, Punjab

Shri Naunihal Singh,  
Village : Attari,  
Post Office : Chack Janisar,  
Tehsil Fazilka,  
District : Ferozepur (Punjab)  
No. Admn. I/PF/Naunihal Singh/6737-45A Dt. 26-10-78

## MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 25th April 1979

No. 22/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Addl. DGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

(1) Shri D. Sen, Offg. DDGOF/Level-I.—1st March, 1979.

(2) Shri K. K. Bishnoi, Offg. DDGOF/Level-I.—1st March, 1979.

No. 25/79/G.—On expiry of the notice of 3 months, Shri S. K. Dhar, Offg. Dy. G. M. Subst. & Permt. Manager voluntarily retired from service w.e.f. 31-7-1977 (A.N.).

The 26th April 1979

No. 24/79/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (Prob) with effect from the dates shown against them :—

Shri Ravindra KUMAR—28-12-1978.

Shri M. SELVARAJU—15-01-1979.

Shri Deb Ranjan CHATTERJEE—23-02-1979.

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

## MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 27th April 1979

No. P. 8(25)/67.—Whereas Sri O. Maheepathi, the Chief of Personnel Division, Coal India Ltd. Calcutta has ceased to represent the interest for which he was nominated as a member of the Finance Sub-Committee of the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee vide Notification No. P. 8(25)/67 dated 21-12-1975, I, Chairman, Finance Sub-Committee in pursuance of Sub-rule (c) of Rule 12 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 read with sub-rule (7) of Rule 5 of Rules *ibid* hereby declare the said Sri O. Maheepathi to have vacated his office of membership of the said Finance Sub-Committee from the date he ceased to be a member.

Sd/- ILLEGIBLE  
Chairman

Finance Sub-Committee &  
Coal Mines Welfare Commissioner,  
Dhanbad

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 27th April 1979

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July 1969 :

Under Class 3 Division 1

(i) add "GELAMEX-B—U.K. Make" before the entry "GFLATINE".

Under Class 6 Division 2

(i) add "SAF-T-DETS" before the entry "S. CORD 1"

Under Class 6 Division 3

(i) the entry "SAF-T-DETS" appearing after the entry "PERCUSSION PREMERS" shall be deleted.

I. N. MURTY  
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th April, 1979

No. A-1/2(379)—The President is pleased to appoint the following Assistant Directors (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi/Dte. of Supplies & Disposals, Calcutta, to officiate as Assistant Director (Grade I) in the same Dte. General at New Delhi/DS&D, Calcutta with effect from the forenoon of 8-3-1979 :—

S. No.	Name	Remarks
1	2	3
	S/Shri	
1.	Om Prakash . . .	At Hqrs. office.
2.	B.S. Ahluwalia . . .	Do.
3.	S.K. Jain . . .	Do.
4.	S. Venugopal . . .	Do.
5.	Vikramaditya . . .	Do.
6.	K.K. Haldar . . .	DS&D Calcutta
7.	C.B.L. Bhatnagar . . .	At Hdqrs office
8.	R.K. Gupta . . .	Do.

The above officers on promotion as Assistant Director of Supplies (Grade I) will be on probation for two years with effect from 8-3-79(FN).

K. KISHORE,  
Depty Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

## (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 27th April 1979

No. A6/247(441)/63.—Shri S. Adhikari permanent Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and officiating Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of IIS Group A Engg. Branch) in the office of the Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31-3-1979 (AN) on attaining the age of superannuation (i.e. 58 years).

P. D. SETH  
Dy. Director (Admn.)

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

## DEPARTMENT OF MINES

Nagpur, the 24th April 1979

No. A-19012(39)/77-Estt. A.—The termination of lien of Shri G. D. Kalra in the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in the Indian Bureau of Mines, having been accepted by the Ministry, on his being absorbed in the National Council of Applied Economics Research, New Delhi in the post of Mineralogist his name is struck off the strength of this department with effect from 1-2-1978.

S. BALAGOPAL  
Head of Office

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 20th April 1979

No. 2088B A-19012(1-SNP)/78-19A.—Shri Satya Narayan Patel is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14th December, 1978, until further orders.

No. 2100B A-19012(1BKS)/79-19A.—Shri Basab Kumar Siddhanta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19th January, 1979, until further orders.

No. 2112B A-19012(1-RAS)/78-19A.—Shri Ram Awatar Sharma is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th November, 1978, until further orders.

The 23rd April 1979

No. 2128B 1-32013(A-Asstt. Geol)/78-19A.—The following Senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further order :—

## S/Shri

- |                            |                  |
|----------------------------|------------------|
| 1. D. Ramachandriah        | 27-1-1979 (F.N.) |
| 2. Dipak Kumar Bose        | 27-1-1979 (F.N.) |
| 3. Sambodhi Gupta          | 29-1-1979 (F.N.) |
| 4. Barendra Mohan Banerjee | 29-1-1979 (F.N.) |
| 5. Kailash Misra           | 29-1-1979 (F.N.) |
| 6. Swapan Kr. Sinha Roy    | 29-1-1979 (F.N.) |
| 7. Mrs. Amala Maity        | 27-1-1979 (F.N.) |
| 8. Shyam Naryan            | 29-1-1979 (F.N.) |
| 9. Rashid Shamshad         | 31-1-1979 (F.N.) |
| 10. N.L. Yadava            | 30-1-1979 (F.N.) |
| 11. B.L. Srivastava        | 30-1-1979 (F.N.) |

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th April 1979

No. A. 19011(125)/71-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Dr. V. J. Kude, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 15-3-1979.

No. A 19011(142)/76-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Prem Singh, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th March, 1979.

No. A 19011(151)/77-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Kuber Dutta, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17-3-1979.

S. BALAGOPAL  
Head of Office

## ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 23rd April 1979

No. 14/3/79-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Rajagiri Hill Fort at Gingee, South Arcot District, Tamilnadu for a period of 10 days from 30-4-1979 to 9-5-1979 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

K. V. SOUNDARA RAJAN  
Director (Monuments)  
for Director-General

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 25th April 1979

No. F. 11-19/77-A. 1.—The Director of Archives, Government of India hereby appoints the under mentioned Permanent Assistant Librarians to the post of Librarian (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 23rd April, 1979 (F.N.) until further orders.

1. Shri R. C. Puri.
2. Shri Anant Ram Singh.

Sd. ILLFIBILE  
for Director of Archives

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th April 1979

No. 10/11/79-SUI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri V. Ram Kumar of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio, to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio, and post him at All India Radio, Madras with effect from 8-3-79 (F/N) till further orders.

J. R. LIKHI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 23rd April 1979

No. A-12026/1/78-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. Ramachandran, Senior Administrative Officer, All India Radio, Madras to officiate in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 30th March, 1979.

S. V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

## (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 24th April 1979

No. A-12023/1/78-CW. I/1498.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri A. K. Magare as Assistant Engineer (Civil), Civil Construction Wing, All India Radio, Hyderabad in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 5th March, 1979.

The appointment of Shri Magare will be governed, inter alia by the terms and conditions contained in the offer of appointment already issued to him.

S. RAMASWAMY

Engineer Officer to Addl. CE(C)  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 23rd April 1979

No. A. 12026/23/78-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri R. S. Johri, Section Officer retired from Government Service on the afternoon of 28th February, 1979.

R. NARAYAN

Deputy Director (Advertising)  
for Director of Advertising & Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th April 1979

No. A. 12026/30/78(RHTC)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Shingara Singh, Assistant of the C.S.S. belonging to the cadre of the Ministry of Labour to the post of Administrative Officer, Rural Health Training Centre, Najafgarh, Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 3rd April, 1979, and until further orders.

The 27th April 1979

No. 22012/2/79-Admn. I.—Shri R. Rajagopal, Assistant Director (Entomology), National Malaria Eradication Programme, Delhi assumed charge of the post of Assistant Director (Ent) Plague Surveillance Unit, National Institute of Communicable Diseases, Bangalore, with effect from the forenoon of 12th March, 1979.

Consequent on his transfer to the post of Assistant Director (Ent) Plague Surveillance Unit, National Institute of Communicable Diseases, Bangalore, Shri Rajagopal relinquished charge of the post of Assistant Director (Ent) National Malaria Eradication Programme, Delhi, with effect from the afternoon of the 28th February, 1979.

No. A. 38013/1/78(CSSS)Admn. I.—On attaining the age of superannuation, Shri B. L. Dhinra, officer of Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service in the Directorate General of Health Services retired from Government Services on the afternoon of 31st January, 1979.

S. L. KUTHIALA

Deputy Director Administration (O&amp;M)

## STORES I SECTION

New Delhi, the 24th April 1979

No. A. 19012/1/78-SI.—On attaining the age of superannuation Shri S. P. Soni, Assistant Depot Manager, Govt. Medical Stores Depot Karnal retired from Service on the afternoon of 31st March, 1979.

S. K. KARTHAK

Deputy Director Admn. (Stores)

## MINISTRY OF AGRICULTURE &amp; IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

## DIRECTORATE OF MARKETING &amp; INSPECTION

Faridabad, the 27th April 1979

No. A. 19023/51/78-A.III.—Consequent on his appointment to the post of Senior Marketing Officer (Extension), Shri B. K. Sudame handed over charge of the post of Marketing Officer (Group I) under this Directorate at Guntur in the afternoon of 12-4-1979.

B. L. MANIHAR

Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

Faridabad-121001, the 28th April 1979

No. A.-31014/3/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group I) in the Dte of Marketing & Inspection, with effect from the date indicated against each :—

S/Shri

(1) K.V. Parasada Rao	16-10-1978
(2) A.K. Guha	16-10-1978
(3) B.K. Ghosh	16-10-1978
(4) J.S. Sastry	16-10-1978
(5) G.S. Niranjan	16-10-1978
(6) J. V. Appa Rao	16-10-1978
(7) S.V.S. Sarma	25-11-1978

2. The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer (Group I).

B. L. MANIHAR  
Director of Administration

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th April 1979

No. PPFED/3(283)/78-Adm./6676.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. Krishnakumar, a permanent Lower Division Clerk and officiating Asstt. Accountant in this Division as Asstt. Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 30, 1979 until further orders.

The 17th April 1979

No. PPED/3(262)/76-Admn. 66628.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 25, 1979 vice Shri P. B. Nair, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

No. PPED/3(262)/76-Adm. 66628.—The Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Punwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 19, 1979 vice Shri P. Venugopalan, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE  
Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 19th February 1979

## ORDER

No Ref NIC/PA V/20/321—Whereas, Shri S. A. Subhan, while employed as Driver Grade II, NFC, remained absent from duty without permission with effect from 21.5.1978,

And whereas, the said Shri Subhan sent a letter dated 8.7.1978 requesting for leave upto 23.9.1978 on medical grounds, in which he stated that he was leaving Hyderabad, but did not give his address,

And whereas, the memorandum No NFC/PAT/9(5)/189 dated 15.7.1978 directing the said Shri Subhan to furnish his leave address sent to the last known address of Shri Subhan at H No 2-4 1025, Niabeli Adda, Kachiguda, Hyderabad 500027, by registered post with acknowledgement due, was returned with a remark that the party left without instructions,

And whereas, the Commissioner of Police, Hyderabad whose assistance was sought by NFC, informed that Shri Subhan was stated to be residing at Bombay, C/o Shri Sandam 133 Sarang Street, Ground Floor, Room No 11, Bombay 400003,

And whereas, a memorandum (No PA II/S-115/TPT/116 dated 11.1.1979) directing the said Shri Subhan to report for duty was sent simultaneously to his last known address in Hyderabad, and to the address at Bombay, by registered post with acknowledgement due, and the said memorandum was returned by the postal authorities from both the destinations stating that the addressee was not available at the addresses,

And whereas the said Shri Subhan continued to remain absent,

And whereas, the said Shri Subhan has been guilty of remaining absent from duty without permission and voluntarily abandoning service

And whereas because of his abandoning the service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965

Now therefore the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No 22(1)/68 Adm dated 3-12-1970 and/or Rule 19(u) of the CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri S A Subhan with immediate effect

The 24th March 1979

Ref NFC/PA V 20/577—WHEREAS it was alleged that Shri S A Khader, while employed as Dt Gr I, NFC, has been remaining absent from duty without prior intimation/permission with effect from 11.2.1979 thereby showing lack of devotion to duty

AND WHEREAS the said Shri Khader was directed to report for duty forthwith and furnish his explanation for the unauthorised absence vide memo No NFC PAT/8(5)/76/653, dated 23.2.79,

AND WHEREAS the envelope containing the said memorandum sent by registered post to the last known address of the said Shri Khader viz N No 11 4-73 Bazarighat Hyerabad has been received back undelivered with the remarks, "not found during delivery time",

AND WHEREAS the said Shri Khader has continued to remain absent and failed to keep the NIC informed of his whereabouts,

AND WHEREAS because the said Sh Khader continued to remain absent from duty without keeping this office informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as contemplated in the NFC Standing Orders and/or under rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No 22(1)/68 Adm, dated 3-12-1970 and/or under rule 19(u) of the CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Khader from service with immediate effect

P UNNIKRISHNAN, Sr Admn Officer

Hyderabad-500762, the 31st March 1979

## MEMORANDUM

Ref PA IV/MES C-50/878—In accordance with the Memorandum No BAR/0702/C-50 2971 dated 20-12-1978 read with offer of appointment letter No PAR/0702/2695, dated 1.12.1978, the Deputy Chief Executive, NFC has terminated with immediate effect the temporary appointment of Shri R Chintiah as Tradesman (B) in NFC Shri Chintiah is hereby advised to surrender his bus pass, security badge and other Government material issued to him immediately to the Manager, MES and collect his pay and allowance due from the Accounts Officer, NFC

U VASUDEVA RAO  
Administrative Officer

Hyderabad 500762, the 23rd March 1979

## ORDER

Ref NFC/PA V/20/549—WHEREAS under No NFC/PA V/20/1783, dated 30.10.1978 the Deputy Chief Executive, the Disciplinary Authority passed an order dismissing Shri Srinivasulu from service with immediate effect,

AND WHEREAS the said Shri Srinivasulu submitted an appeal dated 23.11.1978 begging for pardon and requesting to be reinstated in service,

AND WHEREAS the undersigned as Appellate Authority, after considering the said appeal and all issues relevant to the case has come to the conclusion that the penalty imposed vide order No NFC/PA V/20/1783, dated 30.10.1978 be reduced as under —

'Reduction to the Minimum of the scale of Tradesman 'A', (Rs 260-350) for a period of 3 years and the reduction will operate to postpone future increments'

These orders will take effect from the date Shri Srinivasulu reports for duty. The said Shri Srinivasulu is hereby directed to report for duty within 15 days from the date of receipt of this orders

The period of absence from the date of dismissal to the date of reporting for duty will be treated as EOL as requested by Shri Srinivasulu

The 26th March 1979

## ORDER

No NFC/PA V/20/595—WHEREAS Shri K Ch V Narayana, SA 'B' SSTP, NFC was granted Earned Leave for 40 days from 12-10-1978 to 20-11-1978 with permission to suffix 21.11.1978 to his leave,

AND WHEREAS Shri Narayana failed to report for duty on 22-11-1978 on the expiry of the leave,

AND WHEREAS letter No NFC/SSTP/1102, dated 21.12.1978 issued by the Administrative Officer, NFC directing Shri Narayana to report for duty and sent by registered post A/D to the address given by Shri Narayana in the leave application, viz, Shri K Ch V Narayana, Dachepalli Post,

Palnedu Taluk, Guntur Dist. (A.P.) was returned undelivered by the postal authorities with the remark "not arrived—return to sender",

AND WHEREAS another letter No. NFC/SSTP/1102/18, dated 17-1-1979 issued by Administrative Officer asking Shri Narayana to report for duty immediately and sent by Registered post A/D to the last known local address, viz., Shri K. Ch. Narayana, H. No. 16-2-147/55/8, Anand Nagar Lane No. 4, Malakpet, Hyderabad-500036, was also returned undelivered by the postal authorities with the remark "party left without instructions, hence returned to sender",

AND WHEREAS the said Shri Narayana continued to remain absent and failed to keep the NFC informed of his whereabouts

AND WHEREAS because Shri Narayana has abandoned his duty without keeping NFC informed of his whereabouts the undersigned is satisfied that it is not practicable to hold an inquiry as contemplated under Rule 14 of the CCS (CCA) Rules 1965,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri K. Ch. V. Narayana from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO,  
Chief Executive

Hyderabad-500 762, the 28th January 1979

#### ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/167.—WHEREAS it was alleged that Shri M. N. Shamsheer Ali, while employed as T/A, P/P, has been remaining absent from duty without prior permission or any intimation with effect from 6-9-1977, and causing loss, inconvenience and dislocation of work. The said Shri Shamsheer Ali did not report for duty in spite of this office Memos No. NFC/PA. IV/PF/M-119/2579 dated 26-10-1977 and NFC/PA. IV/PF/M-119/2766 dated 21-11-1977 directing him to report for duty immediately.

By his aforesaid conduct, the said Shri Shamsheer Ali has disobeyed the orders contained in the aforesaid memos and indulged in unauthorised absence without sufficient cause and has thus committed acts of misconduct in terms of paras 39(1) and (5) read in conjunction with para 34 of the NFC Standing Orders.

2. AND WHEREAS the said Shri Shamsheer Ali was informed of the charges levelled against him, vide Memo No. NFC/PA.V/20/371 dated 11-3-1978 wherein he was given an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 7 days from the date of receipt of the said Memo,

3. AND WHEREAS the said chargesheet sent to the last known address of the said Shri Shamsheer Ali, i.e., C/o Shri M. S. A. Baig, H. No. 23-1-276/1, Kotla Aligah, Hyderabad, was returned undelivered by the postal authorities with the remark, "Left without instructions",

4. AND WHEREAS as required under para 41.2(ii) of the NFC Standing Orders, an Inquiry Officer was appointed to conduct the inquiry, vide order dated 1-4-1978,

5. AND WHEREAS the said order dated 1-4-1978 sent to the said Shri Shamsheer Ali was returned undelivered by the postal authorities with the remark, "left",

6. AND WHEREAS the notices, vide No. NFC/Adm/IRO/241/78-18 dated 10-6-1978 and NFC/Adm/IRO/2W/78-18 dated 20-11-1978 requiring Shri Shamsheer Ali to appear for inquiry on 24-6-1978 and 30-11-1978 sent by the Inquiry Officer to the last known address of Shri Shamsheer Ali, i.e., House No. 23-1-276/1, Kotla Aligah, Hyderabad were returned undelivered by the postal authorities with the remarks, "Left" and "Party left without intimation", respectively,

7. AND WHEREAS the inquiry proceedings were held exparte on 13-12-1978,

8. AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his inquiry report, vide No. NFC/Adm/IRO/24 dated 13-12-1978 holding the articles of charge as proved,

9. AND WHEREAS after careful consideration of the inquiry report the undersigned agrees with the findings of the Inquiry Officer and holds that the article of charge is proved, and considers that Shri Shamsheer Ali is not a fit person to be retained in service and should be dismissed.

10. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to give a notice to Shri Shamsheer Ali as contemplated under para 41.5 of the NFC Standing Orders.

11. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders and/or under rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Shamsheer Ali from service with immediate effect.

H. C. KATTIYAR  
Dy. Chief Executive

Shri M. N. Shamsheer Ali Baig,  
House No. 23-1-276/1,  
Kotla Aligah,  
Hyderabad

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 31st March 1979

No. MAPP/3(1211)/77-Adm.—Consequent on acceptance of resignation Shri A. Kameswar Rao, a temporary Scientific Officer/Engineer—Grade SB in Madras Atomic Power Project relinquished charge of his post in Grade SB on the afternoon of February 28, 1979.

The 18th April 1979

No. MAPP/3(1221)/77-Adm.—Consequent on acceptance of resignation Shri A. D. Gupta, a permanent Scientific Assistant (B) in Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer Engineer SB in Madras Atomic Power Project relinquished charge of his post in grade SB on the afternoon of November 10, 1978.

K. BALAKRISHNAN  
Administrative Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (401 504), the 19th March 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Accounts Officer in the same Power Station on a purely *ad hoc* basis with effect from 17-3-1979 and upto 20-4-1979 *vice* Shri D. G. Kataria, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

A. D. DESAI  
Chief Administrative Officer

Bangalore, the 22nd February 1979

No. 020/3(061)/A/79—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Date
	S/Shri		
1.	G.S. Venugopal	Engineer SB	4-10-1978
2.	D.P. Jagannatha	Engineer SB	16-10-1978
3.	V. Nagesh	Engineer SB	13-11-1978



1	2	3	4
4. Srinivasan Ramanujam	Engineer SB	23-11-1978	
5. K.B. AnanthaRamaSarma	Engineer SB	24-11-1978	
6. Ashok Kumar Das	Engineer SB	7-12-1978	
7. K. Vijaya Prakash Rao	Engineer SB	14-12-1978	
8. P.M. Mohan	Engineer SB	14-12-1978	
9. Vishram Prasad Dewangan	Engineer SB	22-12-1978	

K.S. KRISHNAN  
Administrative Officer

B'ng'l're the 20th April 1979

No. 020/3(061)/A/79—Director ISRO satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space in a purely temporary and provisional basis and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1. T. Ravinder Rao	Engineer SB	21-3-1979	
2. Kum S. Fathima Bathul	Do.	4-4-1979	
3. Rajeevkumar Kalra	Do.	9-4-1979	
4. N. Viswanatha	Do.	11-4-1979	

The 21st April 1979

No. 020/3(061)/R/79.—The Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from service of Shri S. S. Avalaskar, Engineer SB in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon of 23rd March 1979.

S. SUBRAMANYAM  
Administrative Officer II

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 24th April 1979

No. A 22012(i)/II/79-E.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Dy. Director General of Meteorology (Planning & Telecommunications) in India Meteorological Department, New Delhi to perform the functions of the Dy. Director General of Meteorology (Administration & Stores) in the same Department with effect from 6-4-1979, until further orders, in addition to his own duties.

P. K. DAS  
Director General of Meteorology

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th April 1979

No. A. 32013/1/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/1/78-EC, dated 12-3-1979 the President is pleased to accord ex-post-facto sanction to the continued *ad hoc* appointment of Shri R. Sampath Kumaran, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Senior Technical Officer beyond 3-2-1979 and upto 1-3-1979 *vice* Shri S. Jayaraman, Senior Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras granted earned leave.

The 26th April 1979

No. A. 32013/4/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Mehra, Assistant Communication Officer, Aero. Communication Station, New Delhi to the grade of Communication Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 31-3-1979 (FN) and upto 26-9-1979 and to post him at the same station.

No. A. 32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. P. B. Nayar, Technical Officer in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 31-3-1979 (FN) for a period of six months or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier and to post him in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.

No. A. 38013/1/79-EC.—Shri T. N. Mehta, Technical Officer (ad-hoc) in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi relinquished charge of his office on the 31-12-78 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

No. A. 38012/1/79-EC.—Shri U. V. Radhakrishnan, Assistant Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aero. Comm. Stn, Madras relinquished charge of his office on the 31-3-1979 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 9th April 1979

No. A. 32013/1/78-EI.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Kumartswamy, Offg. Communication Officer, Civil Aviation Department, to the post of Deputy Director (Tariffs Examination), (pay scale Rs. 1500—60—1800/-) in the Civil Aviation Department with effect from the 7th March 1979 and until further orders.

The 16th April 1979

No. A. 12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A. 12025/3/71-E.E, dated the 11th April, 1972, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued *ad hoc* appointment of Shri K. K. Sharma, to the post of Hindi Officer, in the Civil Aviation Department, beyond 31-12-1978 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/2/77-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/2/77-E.I. dated 17-2-1978, the President is pleased to sanction continued *ad hoc* appointment of Shri V. Ramasubramanyam, Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department to the post of Director, Communication (Planning & Evaluation), in the Aeronautical Communication Organization of the Civil Aviation Department, beyond 31-1-1979 for a period of six months or till regular appointment to the post is made, whichever is earlier.

V. V. JOHRI  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 24th April 1979

No. A. 32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for a further period of six months i.e. upto the dates, indicated against each or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period	Station of posting
1	2	3	4
S/Shri			
1. Gopal Singh		9-10-79	Amritsar.
2. M. Gopal		13-10-79	Bangalore.
3. C.G. Page		9-10-79	Santacruz

1	2	3	4
4. Y.L. Soni	.	9-10-79	Dumdum
5. M.M. Bhardwaj	.	10-10-79	Delhi Airport, Palam.
6. K.C. Biswas	.	9-10-79	Dum Dum
7. V.V. Devekar	.	9-10-79	Ahmedabad
8. S. Manian	.	13-10-79	Tiruchirappalli
9. S.L. Biswas	.	9-10-79	Dum Dum.

S. L. KHANDPUR  
Assistant Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM  
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 27th April 1979

No. 16/236/75-Ests-I.—The resignation tendered by Shri V. K. Deshpande, Assistant Lecturer in Engineering and Surveying, Central Forest Rangers College, Chandrapur has been accepted w.e.f. 15-3-1979 (AN) and he has been relieved from the same date.

No. 16/319/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Chhabbi Nath Pande, Research Assistant Gr. I, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun as Research Officer at the Forest Research Laboratory, Bangalore with effect from the forenoon of 22nd March, 1979 until further orders.

No. 16/327/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri O. P. Rajora, Research Assistant Gr. I as Research Officer (i) Seed Bank and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centre, Hyderabad, at its Regional Centre at Jabalpur, under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 28th March, 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN  
Kul Sachiv,

OFFICE OF THE COLLECTOR CENTRAL EXCISE &  
CUSTOMS

Baroda, the 21st April 1979

No. 6/79.—Shri N. R. Joshi, Superintendent Group-B working under Assistant Collector of Central Excise, Ahmedabad Division-I has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1979.

No. 8/79.—Shri G. M. Desai, Administrative Officer Group-B working under office of Assistant Collector of Central Excise, Ahmedabad Division-II has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1979.

K. SRINIVASAN  
Collector of Central Excise,  
Baroda

Patna, the 21st April 1979

C. No. II(7)2-FT/FT/79/4196.—Capt. Vinod Kumar Berry appointed, on re-employment basis, as Communication Officer in the Directorate of Communication, Department of Revenue vide Ministry of Finance's order No. 79/78 dated 24-5-78 in the pay scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- plus Special pay of Rs. 100/- per month, assumed charge as Communication officer of Customs at Land Customs Station, Raxaul in the afternoon of 13-11-78 vis per Directorate of Communication, New Delhi's order No. 8/78 dated 30-5-1978.

D. K. SARKAR  
Collector,  
Central Excise, Patna

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 27th April 1979

No. 11-TR(4)/79.—The President is pleased to appoint Shri Ravindra Kumar Suri as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on *ad hoc* basis with effect from 1st March 1979 forenoon, until further orders.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 2nd March 1979

No. 27/29/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Devikar a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- (plus usual allowances) with effect from 20-12-1978 (FN).

2. Shri Devikar is placed on probation for a period of two years with effect from 20-12-1978 (FN).

3. Shri Devikar is posted in SA(EZ)I Unit, CPWD, Calcutta with effect from 20-12-1978 (FN).

KRISHNA KANT  
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Amishu Savings Unit Private Limited*

Ahmedabad, the 25th April 1979

No. 2074/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Amishu Savings Unit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Ahmedabad Finance Trading Private Limited*

Ahmedabad, the 24th April 1979

No. 2186/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Ahmedabad Finance Trading Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ratanpole Choksi Saving Unit P. Ltd.*

No. 2318/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Ratanpole Choksi Savings Unit Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Vishwanath Textiles Private Limited*

Ahmedabad, the 25th April 1979

No. 2208/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vishwanath Textiles Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Apradnya Chemicals Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 21st April 1979

No. 17327/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Apradnya Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Nandalal Koppers Limited*  
Cuttack, the 23rd April 1979

No. S.O./463/278(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Nandalal Koppers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL  
Registrar of Companies, Orissa

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL  
CENTRAL GOVT. OFFICES BUILDING

Bombay-400 020, the 24th April 1979

No. F. 48-Ad(AT)/79.—Shri K. K. Misra, a Chief Assistant in the Indian Telephone Industries, Ltd., Naini Unit, Allahabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta in a temporary capacity with effect from 16-4-1979 (forenoon) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 16-4-1979 (forenoon).

P. D. MATHUR  
President  
Income-tax Appellate Tribunal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE III

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 27th April 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/4-79/338.—Whereas, I, D.P. GOYAL being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-16 situated at Masjid Moth (Panchsheel Enclave) New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Dr. Pavan Kumar Chandra S/o Brig. Brij Chandra R/o D-16, Masjid Moth, (Panchsheel Enclave) New Delhi-17, through his attorney Brig. Brij-Chandra S/o Maj. Genl. Amir Chand R/o C-384, Defence Colony New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Lajpat Rai Khaneja and Shri Kewal Krishan Khaneja both sons of Sh. Lal Chand Khaneja C/o Khaneja Motors, 697, Hamilton Road, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property on lease hold plot No. 16 in Block 'D' situated in the residential colony known as Masjid Moth (Panchsheel Enclave) New Delhi-17, bounded as under :—

North :	Plot No. D-17
South :	Plot No. D-15
East :	Road
West :	Service Lane

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi.

Date : 27-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 27th April 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/4-79/339.—Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 Bigha 12 biswas Agricultural land in Khasra Nos. 1847 &amp; 1848 in Vill. Chhattarpur situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 13-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

15—66G1/79

- (1) Shri (1) Rajinder Pal (2) Sudershan Kumari  
(3) Sh. Rajiv Malhotra (4) Anju Malhotra R/o  
4-C/4, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Lachman Dass Kateria (2) Smt. Sheela  
Kateria R/o H-15/14, Malviya Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land area consisting of 9 bighas 12 Biswas, in Khasra Nos. 1847 (4-16) and 1848 (4-16) situated in the Village Chhattarpur, near Mehrauli in the Union Territory of Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi.

Date : 27-4-1979

Seal :

## FORM INS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 27th April 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/4-79/337.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Mg. 2 bigha 6 biswas vide khasra No. 491 situated in village Burari Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 9-8-78 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Sahni Enterprises (P) Ltd., Regd. Office : 14, Hind Phase, Hind Market, Ashok Vihar Delhi through its Mg. Director Shri Kesho Dass Sawhney.  
(Transferee)
- (2) Shri (1) Bhasheshwar Lal Aggarwal & (2) Shri Rameshwar Lal Aggarwal R o C-22, Model Town, Delhi-9.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 6 biswas vide Khasra No. 491 situated in the area of village Burari Delhi

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi.

Date : 27-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - I  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. IAC. Acq.I/S.R. III/Aug. 11/583/1978-79.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-11 situated at Chirag Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Lina Mayadas wife of Shri Karam Mayadas, R/o 93 Chiterkout Altamound Road, Bombay-26

(Transferor)

(2) Shri Rishi Virmani son of Late Dr. D.C. Virmani and Mrs. Dr. Laaj Virmani wife of Shri Rishi Virmani R/o C-11 Chirag Enclave, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on the plot of land bearing No. C-11 Chirag Enclave, New Delhi measuring 500 Sq. yards and bounded as under

East	C-12
West	C-10
North	Service lane,
South	Road Facing park.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date: 30-4-1979  
Seal:

## FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

ACQUISITION RANGE - I  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. IAC. Acq.I/S.R.III/Sept.II(36)/673/1978-79.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-48 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Ram Dulari wd/o Shri Badri Nath Talwar  
Resident of C-48 Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Ram Tuli son of Shri Khushi Ram,  
R/o. C-48 Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A 2½ storeyed building constructed on a plot of land bearing No. C-48 measuring 500Sq. yards situated at Greater Kailash II, New Delhi

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE - I

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/Sept.I(33)/1978-79.—

Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

227—N situated at Greater Kailash, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Faqir Chand Rastogi, 25 Manu Marg, Alwar.  
(Transferor)

(2) Mrs. Mohini Trikha, N-227 Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed house on Plot of land No. N—227 measuring 300 Sq. yards situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Limited, 21-22 Narindra Place,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - I

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.-I/S.R.III/Sept/II(41)/1978179-678.  
—Whereas, I, D. P. GOYAL,being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Shop No. 21 situated at Savitri Cinema Complex, Grea-  
ter Kailash-II, New Delhi(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at New Delhi on 29-9-1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely:—

- (2) Shri Dharambir Nangia son of Shri Tulsidass  
Nangia (2) Shri Vinay Nangia (Minor) and (3)  
Shri Jayant Nangia (minor) through their father  
Shri Dharambir Nangia, Resident of E-215 Greater  
Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act, shall  
have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 21 on ground floor of the building known as  
Savitri Cinema Complex, situated at Greater Kailash-II,  
New Delhi measuring 209 Sq. ft.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) D.L.F. United Limited, 21-22 Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Lata Soni wife of Shri O. P. Soni, Rajinder Kumar Soni son of Shri O. P. Soni, H-14 Lajpatnagar-III, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - I  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.II(40)/677/78-79.—

Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 20 (ground floor) situated at Cinema Complex building, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 20 (ground floor) measuring 227—1 Sq. ft. situated at Cinema Complex building, Greater Kailash-II New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.Date : 30-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Limited, 21-22 Narindra Place,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vijay Kumar Kajla son of Maj. L.C. Kajla  
Resident of : 20-Chanan Singh Park, Delhi Cantt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE - I  
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.II/Sept.II(24)/1978-79/666.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingFlat No. 307 situated at Savitri Cinema Complex, Greater  
Kailash-II, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 21-9-1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for which transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
which period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office Flat No. 307 on the third floor of Savitri Cinema  
Complex, situated at Greater Kailash-II New Delhi measur-  
ing 615.6 Sq. ft.D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New DelhiDate : 30-4-79  
Seal :

## FORM ITNS

(1) D.L.F. United Limited, 21/22 Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Bhushan Gupta, son of Shri B. B. Gupta,  
Resident of 31-F Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. I.A.C.Asq.I/S.R.III/Sept.II(18)/660/1978-79.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 101(1st Floor) situated at Savitri Cinema Com-  
plex, Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at  
New Delhi.

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 101 (1st Floor) measuring 554.6 Sq.  
ft. situated at Savitri Cinema Complex, building, Greater  
Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C.Acq..I/S.R..III/Sept.II(8)/656/1978-79.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Basement situated at  
Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 18-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s R. R. Enterprises through  
Shri Rakesh Khosla,  
Managing Partner and  
Shrimati Kamal Khosla  
w/o Shri Rakesh Khosla  
r/o C-4/49 Safdarjang Development Scheme,  
44 Ratendon Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

The basement area of Savitri Cinema Complex Building,  
measuring 3287 Sq. ft. situated at Greater Kailash-II, New  
Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI**

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. IAC.Acq.I/S.R.III/Sept.II(5)/1978-79/655.—

Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Flat No. 206 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Lt. Col. Siddharth Kumar (H.U.F.)  
s/o Shri Mattoo Ram,  
r/o C-4/49 Safdarjang Development Scheme,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A Office Flat No. 206 measuring 481.7 Sq. ft. on second floor of Savitri Cinema Complex, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

**D. P. GOYAL,**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1979

Ref No I.A.C.Acq I/S R III/Sept II(3)/78-79/653 —  
Whereas, I, D P GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Office Flat No 201 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-9 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s D L F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi  
(Transferor)
- (2) 1 Col Joginder Singh Puri  
s/o Shri Dewan Singh Puri  
2 Shri Adarsh Puri  
s/o Shri Joginder Singh Puri  
3 Shrimati Charanjit Puri,  
w/o Shri Joginder Singh Puri  
4 Flt Lt Dr Shashi K S Puri  
s/o Shri Joginder Singh Puri  
All r/t E/476 Greater Kailash-I,  
New Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Office Flat No 201 on second floor measuring 556-6 Sq ft situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

D P GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date 27-4-1979  
Seal



## FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi  
w/o Shri B. L. Ahuja  
r/o E-275 Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.I(30)/641/1978-79.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Office Flat No. 105 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

An Office Flat No. 105 on the first floor of the Savitri Cinema Complex, measuring 481.7 Sq. ft. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 27-4-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C Acq.I/S.R.III/Sept.I(29)/1978-79/640.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri J. P. Gupta  
s/o Shri Harl Ram  
r/o 604 Akashdeep Building,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 9 on ground floor of the Savitri Cinema Complex, measuring 282-1 Sq. ft situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.I(22)/1978-79/636.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 22 (Shop) situated at  
Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
New Delhi on 17-9-1978

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Rattan Krishan Sukhani  
s/o Shri B. K. Sukhani,  
r/o B-31, Kailash Apartments,  
Lajpat Rai Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A shop No. 22 (ground floor) measuring 193.9 Sq. ft.  
situated at Cinema Complex, building, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.I(7)/629/1978-79.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 202 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Master Arun Khanna (Minor)  
s/o Shri Vijay Kumar Khanna  
r/o 33/30 East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office Flat No. 202 (2nd Floor) measuring 617.9 Sq. ft. situated at Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq./S.R.III/Sept.I(6)/628/1978-79.—  
Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Flat No. 502 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—66GI/79

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shrimati Subhashini Kumari  
w/o Shri Nand Kumar  
10 15 Mahadev Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Office Flat No. 502 on Fifth Floor of multi-storeyed commercial building known as Savitri Cinema Complex, situated at Greater Kailash-II, New Delhi measuring 613.9 Sq. ft

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/151.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 1 K. 18M (950 sq. yds.), Khasra No. 3041/1511/5, situated at Sultanwind urban, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mansa Devi wd/o Sh. Shori Lal R/o H. No. 1093, outside Kucha Khai Wala, Katra Khazane, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Satish Kumar s/o Shri Roshan Lal, R/o Ram Gali, Kt. Ahluwalia, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 Kanal 18 Marlas (950 sq. yds.) khasra No. 3041/1511/5, situated at in area Sultanwind Urban, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1670/1 dated 4-8-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 19-3-78.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/152.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring 341.7 sq. mts (410 sq. yds) with one shed, Chimney & Boundary wall at Chamrang Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar city on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narinder Singh s/o Sh. Natha Singh r/o Kot Baba Deep Singh, Gali No. 2, House No. 3806, Amritsar.

(Transferor)

(2) Firm National Iron Scrap Company, Plot No. 267, Chamrang Road, Amritsar (Khasra No. 627) Amritsar City.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 341.7 sq. metres (say 410 sq. yards) with one Shed, Chimney & Boundary walls situated at Chamrang Road, Amritsar (Khasra No. 627) Amritsar City registered with the S.R. Amritsar vide sale deed No. 1930/1 dated 28-8-78.

G. L. GAROO, IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 19-3-78,  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th April 1979

Ref No ASR/79 80/3 —Whereas, I, M K DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1/4th share in plot measuring 1336 sq Mts situated at Gopal Nagar Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on Sept 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Smt Pritam Kaur wd/o Sh Sewa Singh Gali No 2, Hukam Singh Road, Amritsar  
(Transferor)
- (2) Sh Jatinder Nath Bhandari, s/o Sh Balmukand Bhandari, Gopal Nagar, Amritsar  
(Transferee)
- (3) As at Sl No 2 above mentioned and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq mts bearing khasra No 336, 10 337, 22, Khata No 801/863 Jamabandi year 1971 72, i.e 334 sq mts situated in Gopal Nagar Amritsar as mentioned in the Registered Deed No 2283/1 dated 20 9-1978 of Registering Authority, Amritsar City

M K DHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range Amritsar

Dated 20 4-79

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/4.—Whereas, I,  
M. K. DHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/4th share in plot measuring 1336 sq. Mts. situated at Gopal Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 22-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Pritam Kaur wd/o Shri Sewa Singh, Gali No. 2, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Lila Wanti wd/o Shri Arjan Dass, R/o Barsat, Distt. Karnal.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person whom the undersigned knows to

- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq mts. bearing khasra No. 336, 1-0, 337, 2-2, Khata No. 801/865 jamabandi years 1971-72, i.e. 334 sq. mts. situated in Gopal Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3400/1 dated 15-12-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

- (1) Smt. Raitan Devi wd/o Mohan Lal, Gopal Nagar, Amritsar.

- (2) Sh. Bhagwan Dass s/o Mohan Lal, Gopal Nagar, Amritsar.

M. K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20-4-79.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th April 1979

Ref. No. ASR/79180/5.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4 share in plot measuring 1336 sq. mts. situated at Gopal Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Amritsar city on 15 Dec. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pritam Kaur wd/o Shri Sewa Singh R/o H. No. 21, Gali No. 2, Hukam Singh Road Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Asha Rani D/o Shri Amar Nath Plot No. 42, Gopal Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq. mts. bearing khasra No. 336, 1-0, 337, 2-2, Khata No. 801/865 jamabandi years 1971-72, i.e. 334 sq. mts. situated in Gopal Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3400/1 dated 15-12-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 17-4-79.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, dated 19th April 1979

Ref No ASR/BTL/79-80/6—Whereas, I,  
M K DHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

One building at Batala situated at G T Road, Batala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on 21-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh Baldev Raj Kewal Krishan s/o Anand Ram V Batala Mohalla Prem Nagar Tehsil Batala Distt Gurdaspur  
(Transferor)
- (2) Smt Pushpa Rani w/o Ved Parkash 1/2th share Smt Kamlesh Rani w/o Sudrishan Kumar 1/2th share Batala, Teh Batala, Distt Gurdaspur  
(Transferee)
- (3) As at S No 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property  
(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One building situated at G T Road, Batala as mentioned in the Registered Deed No 3663 of August, 1978 of the Registering Officer, Batala

M K DHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Dated · 19-4-1979  
Seal ·

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No ASR/79-80/7 —Whereas, I,  
M K DHAR,  
being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing  
I and measuring 43 kanals situated at Kala Ghanupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 31 8 78  
for an apparent consideration which is less than than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Chanan Singh s/o Narain Singh Village Dhand, Teh Jhabal, Distt Amritsar Now Sharifpura, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Sucha Singh, Natha Singh ss/o Kartar Singh, Village Kala Ghanupur Teh Amritsar  
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 kanals (Nehri) bearing Khasra No 51/2 7-12, /9 6-8, 12/2 6-19, 18/1 0-2, /12 3 7 /13 8, /19 6-7, 22/1 3-19, 23/2 0-6 situated in village Kala Ghanupur, Teh Amritsar, as mentioned in Registered Deed No 613 dated 31 8-78 of the Registering Officer, Amritsar

M K DHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/8.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 7-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—66G1/79

- (1) Sh Dev Raj s/o Sh. Gopal Dass 10 Charusit Attali, Gali Julkan House No. 314/11, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Ravi Mohan Kapur s/o Sh. Mahohar Lal Kapur R/o Kucha Tawarian House No. 3561/11, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any,  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 954 sq. yds. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1707/1 dated 7-8-78 of the Registering Officer, Amritsar City.

M. K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/9.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Plot of land No. 24 situated at Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 14-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Pioneer Industrial Corporation Amritsar through Sh. Rakesh Chand, Sobha Khanna & Sushma Khanna r/o 61 Dasundha Singh Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Raj Kumar s/o Sh. Mahesh Dass and Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Raj Kumar r/o Cooper Road, Amritsar c/o Beri & Co.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 24 measuring 454.17 S. Mtrs. bearing Khasra No. 1332 situated at Circular Road Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 1801/1 dated 14-8-78 of the Registering Officer Amritsar.

M. K. DHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref No. ASR/79-80/10.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Agricultural land measuring 25 kanals 18 marlas situated at Village Tarsikka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 4-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dharam Singh s/o Nand Singh s/o Hira Singh R/o Village Tarsikka, Teh. Amritsar Distt. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Dharam Singh, Maluk Singh, Amrik Singh, Pritam Singh ss/o Sh. Surjan Singh of Village Tarsikka, Teh. Amritsar Distt. Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned know to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 51 kanals 16 marlas 1/2 share i.e. 25 kanals 18 marlas situated in village Tarsikka Teh. Amritsar as mentioned in Registered deed No. 2964 dated 4-8-78 of the Registering Officer, Amritsar.

M K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 20th April 1979

Ref No ASR 79 80/11 —Whereas, I,  
M K DHAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs 25,000/- and bearing No  
Agricultural Land measuring 45 kanals 4 marlas situated at  
Village Galowali  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Amritsar on 21-8-78 for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferee to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
property or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (1) Sh. Basant Singh s/o Harnam Singh Village Majitha  
Teh Amritsar  
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdip Singh, Surjit Singh, ss/o Shingara  
Singh, Maluk Singh, Amrik Singh, Virsa Singh, Sarab-  
jit Singh ss/o Mukhtar Singh, Lakha Singh, Balkar  
Singh, Harbhajan Singh, ss/o Upkar Singh R/o  
Kala Ghanupee Teh Amritsar Distt Amritsar  
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 kanals 4 marlas situated in  
village Galowali Teh Amritsar as mentioned in Registered  
Deed No 3141 dated 21-8-78 of the Registering Officer,  
Amritsar

M K DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Amritsar

Dated 20-4-79  
Seal



## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/BT/79-80/12—Whereas, I, M. K. DHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Batala on 9-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Vaid Kantar Singh, s/o Jaswant Singh Batala Teh. Batala, Distt. Gurdaspur, Krishna Abadi, Circular Road, Batala. (Transferor)
- (2) Sh. Madan Lal Mohinder Kumar s/o Sh. Dev Raj and Smt. Pushpawati w/o Sh. Madan Lal R/o Batala, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur Krishna Abadi, Circular Road, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overlaid and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House Situated at Krishna Abadi, Circular Road, Batala, as mentioned in the Registered Deed No. 3585 dated 9-8-78 of the Registering Officer, Batala.

M. K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/77/79 80/13. - Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri land measuring 39K 2 M situated at Village Lalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran on 8-8-78 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Darshan Singh s/o Jodh Singh Village Lal Pur Teh. Taran Taran Distt. Amritsar, (Transferor)
- (2) Sh. Jagtar Singh s/o Mangal Singh, Village Lal Pur Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 kanals 2 mailas situated in Village Lal Pur Teh. Taran Taran as mentioned in the Registered Deed No. 383 dated 8-8-78 of the Registering Officer, Taran Taran

M. K. DHAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/14.—Whereas, I,  
M. K. DHAR,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.One building No. 5 situated at Bazar Tahli Sahib,  
Amritsar(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the Office of the Registering Officer at  
Amritsar on 13-9-1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:

- (1) Smt. Raj Bhalla wd/o Sh. Bij Bhushan Bhalla r/o  
Chandigarh, Sector No. 21, Kothi No. 320.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kamla Vati wd/o Sh. Madan Mohan r/o Lak-  
kar Mandi, Gali Kanibojan, House No. 2126, Amrit-  
sar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building No. 5 situated at Bazar Tahli Sahib, Gali  
Vakilan, Amritsar, as mentioned in the Registered deed No.  
2165 dated 13-9-78.

S/Shri

1. Sain Dass 2. Hajari Lal & Sons 3. Munshi Ram Behari  
Lal 4. Faquir Chand 5. Sham Lal Aggarwal 6. Hira  
Lal c/o Building No. 5 situated at Bazar Tahli  
Sahib, Gali Vakilan, ASR.

M. K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref No ASR/79 80/15—Whereas, I, M K DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding One plot of land situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 14-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chander Mohan w/o Sh. Puthvi Lal d/o Smt. Kumari r/o 9, Majitha Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Dr. Guimukh Singh Bawa s/o Sh. Gurdial Singh Bawa r/o Amritsar Majitha Road, House No. 2 Raghunathpura.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property Shri Jagan Nath s/o Shri Nand Lal R/o Majitha Road, Amritsar.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 500 sq mtr. (600 sq. yds) No Kh 1378, 1376 & 1379 situated at Majitha Road Oppst. Raghunath Pura, Amritsar, as mentioned in the Registered Deed No 2188 dated 14-9-78 of the Registering Officer Amritsar

M. K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20 4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/16.—Whereas, I, M. K. DHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th Share in Plot of land measuring 1336 sq. Mts. situated at Gopal Nagar Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on 9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—66GI/79

(1) Smt. Pritam Kaur wd/o Sh. Sewa Singh Gali No. 2 Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Tulsi Devi d/o Lala Topan Dass, Kucha Lamba, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq. mts. bearing Khasra No. 336, 1-0, 337, 2-2, Khata No. 801/863 Jamabandi year 1971-72 i.e. 334 sq. Mts situated in Gopal Nagar, Amritsar, as mentioned in Read Deed No. 2282 dated 20-9-78 of Registering Authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20-4-79

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1979

Ref No ASR/79-80/17—Whereas, I, **M K DHAR**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing a Land measuring 32 kanals 10 marlas situated at Kala Ghanupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Amritsar on 24-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh Chanan Singh s/o Sh Naram Singh, Village Dhand Teh Jhabal, Distt Amritsar  
(Transferor)
- (2) Sh Kartar Singh s/o Sh Sewa Singh R/o of Village Kala Ghanupur, Tehsil Amritsar  
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agricul Land measuring 32 kanals 10 marlas (Nehri) bearing Khasra No 51/7/1 2-12 7/3 0-17 7/2 3-3, 8/7-11, /14 8-00, 17/2 2-7 /3 8- situated in Village Kala Ghanupur Teh Amritsar as mentioned in Registered Deed No 601 dated 24 8 78 of Registering Officer, Amritsar

M K DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 21-4-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP551/FDK/79-80.—Whereas, I,  
P. N. MALIK,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Dogar Basti  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
Faridkot on Sept. of 1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to  
the following persons, namely : —

(1) S/Shri Jatinder Pal Singh, Parampal Singh, Sukhpal  
Singh ss/o Hoshiar Singh s/o Gurdit Singh & Smt.  
Manmohan Kaur w/o Hoshiar Singh, Faridkot.  
(Transferor)

(2) Sh. Bhagat Ram c/o M/s Bhagat Ram Mohan Lal,  
Grain Handi, Kotkapura.  
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building in Dogar Basti, Faridkot as per sale deed No.  
2261 September, 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 26-4-79  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP552/MGA/79-80.—Whereas, I,  
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Old Kothapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Sh. Haridyal Singh s/o Bahal Singh (2) Smt. Hamir Kaur wd/o Sh. Bahal Singh s/o Kishan Singh, Moga.  
(Transferor)
- (2) Sh. Surinder Kumar Manocha s/o Jagdish Rai Manocha s/o Barkat Ram, H. No. 716, Mohalla Kumika Gowar, Moga.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One residential house in Old Kotkapura, near Bus stand, Moga as per sale deed No. 5222 October 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 26-4-79  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX -

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP553/MGA/79-80.—Whereas, I,  
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Gandhj Road, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kishan Lal s/o Mathura Das s/o Prithi Mal 2. Sh. Lajpat Rai s/o Labhu Ram s/o Prithi Mal r/o Moga Mandi.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Anrit Lal, Vishav Bandhu & Vijay Kumar ss/o Sh. Mukand Lal s/o Prithi Mal c/o Kulwant Rai Mukand Lal Purani Mandi, Moga.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 5 kanals on Gandhi Road, Moga as per scale deed No. 5785 of Nov. 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 26-4-79  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP554/MGA/79-80.—Whereas, I,  
P. N. MALIK,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gandhi Road, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kishan Lal s/o Mathura Das s/o Prithi Mal  
2. Lajpat Rai s/o Labhu Ram s/o Prithi Mal r/o  
Moga Mandi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Amrit Lal, Vishav Bandhu & Vijay Kumar  
ss/o Sh. Mukand Lal s/o Prithi Mal c/o Kulwant  
Rai Mukand Lal, Purani Mandi, Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 5 kanals on Gandhi Road, Moga as per sale deed No. 5784 Nov., 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 26-4-79

Seal :

FORM ITNS

(2) Anamika Builders Pvt. Ltd.,  
20 Ganesh Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ramesh Mehta & Naresh Mehta,  
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—

Calcutta-16, the 22nd February 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.Ref. No. 454/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,  
VASKAR SEN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Flat No. 2B situated at  
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta,(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 3-8-1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely —

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. 2B on the second floor of the build-  
ing situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),  
Calcutta-16.

Date : 22-2-1979

Seal ;

## FORM ITNS

(2) Anamika Builders Pvt. Ltd.,  
20 Ganes Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Kedar Nath Bose,  
5B, Russel Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 455/Acq.R-III/78-79/Cal —Whereas, I,  
VASKAR SEN,  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Flat No. 6B situated at  
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 12-8-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. 6B on the sixth floor of the build-  
ing situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),  
Calcutta-16.

Date : 22-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(2) Anamika Builders Pvt. Ltd.,  
20, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Rina Ghosh Dastidar,  
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.

Calcutta-16, the 22nd February 1979

(b) by any other person interested in the immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 459/Acq.R.III/78-79/Cal.—Whereas, I,  
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Flat No. 5B situated at  
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 3-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income  
arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. 5B on the fifth floor of the build-  
ing situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
20—66GI/79

Date : 22-2-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV**

Calcutta, the 6th February 1979

Ref. No. AC-53/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. P-148, situated at Block 'B' Lake Town, Calcutta-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Mahadananda Das

(Transferor)

(2) Sri Makhan Lal Sen  
Sri Prabir Kumar Sen  
Sri Sutanu Sen

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of vacant land measuring 4 K. O Ch. 2 sft. situated at P-148, Block 'B', Lake Town Calcutta-55 more particularly as per deed no. 4102 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-2-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ganpatrai Patni

(Transferor)

(2) Shri Gyan Chand Patni

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 6th April 1979

Ref. No. AC-5/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J. L. No. 18 situated at P. S. Maynaguri, Dist : Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 15.124 bigha and all constructions thereon within settlement Touzi No. 84 J. L. No. 11, P. S. Maynaguri, Pargana-South Maynaguri, as more particularly described in the deed being no. 3819 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Durgadas Chatterjee, 2. Dharmadas Chatterjee & 3. Chandidas Chatterjee (Transferor)
- (2) Shri Basdeo Shaw (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1979

Ref. No. AC-6/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 435 situated at Bhiringhee, Durgapur-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 5 cottahs only at Nachan Road Bhiringhee, Durgapur-13, Kh. No. 1235, Dag no. 435, District Burdwan.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-4-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1979

Ref. No. AC-7/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

J.L. No. 110 situated at P. S. Siliguri, Dist : Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siliguri on 9-8-78 &amp; 22-8-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jhabarmull Pipalwa @ Sharma Gandhar Pipalwa @ Sharma, Kishore Kumar Pipalwa @ Sharma, Ashoke Kumar Pipalwa @ Sharma, Pawan Kumar Pipalwa @ Sharma and Lalit Kumar Pipalwa @ Sharma

(Transferor)

(2) Smt. Puspa Devi Agarwala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .070 acre and building thereon situated at Dist : Darjeeling, P. S. &amp; Mouza Siliguri, J. L. No. 110, Kh. No. 2395, Plot no. 8486 as more particularly described in and covered and transferred by the deeds being no. 4726 dated 22-8-78 and 4624 dated 9-8-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 39/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 7-6-8 situated at Venkataramasamy Koil Street, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Dharmapuri (Document No. 1601/78) on 17th Rug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri R. Narasinga Rao; 2. Shri R. Subba Rao, Ss./o. late B. Ramachandra Rao; 3. Smt. R. Lakshmi, W/o. late R. Rajamani; 4. Miss R. Devakumar, D/o. Sl. No. 3; 5. Minors N Venkatesaprasad; 6. N. Jayashree; 7. N. Padmashree, by fr. & gdn. Sl. No. 1; 8. Minors Sathyashree; 9. Sri Vidya; 10. Sri Priya; & 11. Srimathi; by fr. & gdn. Sl. No. 2, All residing at Dharmapuri Town.
- (2) Smt. G. Lakshmi Ammal, W/o. Shri V. Govinda Gounder, 33, Bazaar Street, Dharmapuri.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at No. 7.6.8, Venkataramasamy Koil Street, Dharmapuri Town.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 19 Jan 1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. E. Xavier, Nutshell Cottage, Yercaud PO, Salem Distt.

(Transferor)

(2) Minors SP Meenakshi V. Valliammal &amp; L. Valirayaki, 7/26, Ramakrishna Chettiar Road, Nattarasankottai PO, Ramanadhapuram District.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 47/Aug/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Coffee Estates, situated at Yercaud Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 160/78) on 31-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

18.42 acres of coffee estates at Yercaud, Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 19 Jan 1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

Madras, the 20th January 1979

Ref. No. 53/Aug/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Doraisampuram Village, Kakkivadampatti Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Sivakasi (Document No. 2144/78) on 19-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K.A.P.A. Balakrishnan, 156, Palaniyandavarpuram Colony, Sivakasi.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Sankaralingam, M/s Sriram Match Industries, Sivakasi Palaniyandavarpuram Colony, Sivakasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1.06 acres of lands and buildings situate therein in S. Nos. 1288/2, 1288/2.B, 1310, 1311, 1312/2 at Doraisampuram Village, Kakkivadampatti Panchayat.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 20-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Miss T. N. Geetha, D/o. Shri T. S. Narasimhan,  
Bungalow Street, Salem-I.

(Transferor)

(2) Shri E. M. Gutharathulla,  
84, Bazar Street, Salem-I.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 12/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Farm house situated at Vellakadai Village, Yercaud Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, Yercaud (Document No. 144/78) on 9-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

11 acres of coffee estate land with farm house situate at Vellakadai, Yercaud Tk., Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21—66GI/79

Date : 24-2-1979

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I**

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 13/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Coffee Estate situated at Vellakadai, Yercaud Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 145/78) on 9-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri T. N. Vairamani, W/o. T. S. Narasimhan, Bungalow Street, Shevapet, Salem-2.

(Transferor)

(2) Shri E. M. Gudhrathulla, S/o Mohammed Ebrahim, 84, Bazaar Street, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

29.82 acres of coffee estate situate at Vellakadai, Yercaud Tk.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 24-2-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rahamathjan, W/o G. Abdul Subhan, 28, Muthuramalingam Thevar St., Gandhinagar, East Tambaram, Madras-59.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. V. Mommed Koya; 2. Shri K. V. Aboobacker 3. K. V. Ummer Koya, Ss/o Koyatti Hajee; and 4. N. Abdul Kareem, S/o. P. A. Ahmed Koya, All residing at Yercaud Main Road, Gorimedu, Salem-8.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 15th March 1979

Ref. No. 21/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/74.2 situated at Main Bazaar Street, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Salem (Document No. 2766/78) on 14-8-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & buildings situate at Main Bazaar Street, Salem Town bearing Door No. 1/74.2 measuring 900.1 s.f.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 15-3-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Maria Augusta Marceliana, D'Silva John, 5, North Mada Church Street, Madras-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Ali Nasir Rusdhi, S/o. Shri Nazeen Rusdhi, Old No. 5, North Mada Church Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 9th March 1979

Ref. No. 22/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old No. 5 situated at North Mada Church Street, Royapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Royapuram (Document No. 926/78) on 4th Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at Old No. 5, North Mada Church Street, Royapuram, Madras-13

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-3-1979.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri V. S. Ramanathan Chr. &amp; others, 16, Workshop Road, Madurai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. S. A. Somasundaram Chr., 15, Munichalai Road, Madurai-9.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd March 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 51/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 67 situated at Tamil Sangam Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam (Document No. 1475/78) on 17-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land & buildings situate at No. 67, Tamil Sangam Road, Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 2-3-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4803.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 27 situated at Periakottai Village,, Udumalpet 5.85 Acres (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. No. 2374/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M. Kanakasabapathy  
M. Dakshinamurthy  
M. Rajagopalan  
S/o Marimuthu gounder,  
32, Pollachi Road, Udumalpet.

(Transferor)

(2) S. Bangaruswamy Naidu  
S. Subramaniam,  
82, Darapuram Road, Udumalpet.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands in T.S. No. 27, at Periakottai Village, Udumalpet 5.85 Acres in extent.  
(Doc. No. 2374/78)

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 20-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 6557.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 152, situated at Greames Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 919/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) A. Mohammed Imam Sahib,  
151, Greames Road,  
Madras-6.

(Transferor)

(2) V. N. A. S. Chandran,  
No. 4/8, Damu Nagar,  
Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 152, Greames Road, Madras-6.  
(Doc. No. 919/78)

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 20-4-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1979

(1) Mohanasundaram, Balasubramaniam and  
Arumugham,  
Vannanthurai, Road,  
Pollachi.

(Transferor)

(2) Savithiri,  
60B. LIG Colony,  
Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref No 4857 —Whereas, I O ANANDARAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 37 (part) situated at Goods Shed Road, Pollachi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Pollachi (Doc No 1768/78) on August 1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 37 (part) Goods Shed Road,  
(Doc No. 1768/78).

O. ANANDARAM.

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 20-4-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4857.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 (part) situated at Goods Shed Road, Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1769/89) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—66GI/79

(1) Mohanasundaram, Balasubramanian, and Arumugham,  
Vannanthurai Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) R. Rajagopal  
60B, LIG Colony, Mahalingapuram,  
Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 37 (part), Goods Shed Road Pollachi.  
(Doc. No. 1769/78)

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 12-4-1979  
Seal :

**FORM ITNS—**

- (1) 1. F. Rosemary, 2. F. James Anthony,  
3. F. Maria Biran Chisjohn 4. F. Daily Mariya  
5. F. John Jiliya Mary  
Somanur, Ichchipatty Village,  
Kombakadu (P.O.)

(Transferor)

- (2) N. Rajan,  
S/o. C. R. Narayanaswamy Naidu,  
52, Kumaran Road, Thiruppur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006**

Madrass-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4806.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 163, situated at Kumaran St., Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruppur (Doc. No. 1958/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at No. 163, Kumaran St., Thiruppur  
(Doc. No. 4806/78)

**O. ANANDARAM,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 20-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4797.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 (TS. No. 596) part, situated at A.T.T. Colony, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2528/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Susila Ramachandran  
D/o A. T. Krishnaswamy Mudaliar,  
3, Crescent Road, Bangalore-1. (Transferor)
- (2) Kirubachandran  
S/o D. Isaiah,  
10, Huzur Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 11, A.T.T. Colony, Coimbatore.  
(Doc. No. 2528/78).

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 12-4-1979  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madias-600 006, the 12th April 1979

Ref. No 4786.—Whereas, I, O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing S. No. 37/1A, situated at O'Valley Village, Gudalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc. No 645 78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. A. J. Gonsalves, 2. Mrs. E. Saldanha  
3. Mrs. M. Mascarenhas  
C/o Gonsalves & Gonsalves,  
Ootacamund.

(Transferor)

- (2) Panchura Estates Ltd.,  
Club Road, Coonoor-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building with Machinery, goodwill etc. at S. No. 37/1A, of O'Valley Village, Gudalur.

(Doc. No. 645/78)

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 12-4-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) C. A. Razack, S. Hajaramma, S. Zubaida,  
S. Nabiunnisa, S. Sobiya,  
28/13A, Periaswamy Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. K. Abdul Wahab,  
16/11, Mill Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madrass-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4785.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/13A, situated at Periaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2350/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 28/13A, Periaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Doc. No. 2350/78).

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madrass-600 006.

Date : 12-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4849.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/85, at situated at S.R.P. Nagar, Saibaba Mission (PO), Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 1972/78) on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jagarathi Kalingarayan  
W/o Shri R. Mohanraj Kalingarayan  
85, S.R.P. Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. K. Nanda,  
S/o H. L. Nanda,  
85, S.R.P. Nagar,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 15/85, S.R.P. Nagar, Saibaba Mission (P.O.) Coimbatore.

(Doc. No. 1972/78).

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th April 1979

Ref No 6578 —Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2, (part), situated at Zackria Colony IV St., Kodambakkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc No 2594/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Prema, No 2, Zackria Colony, IVth St., Kodambakkam, Madras.

(Transferor)

(2) S Venugopal, 135, P V Koil St., Madras-13.

(Transferee)

Obejections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No 2 (part) Zackria Colony, IVth Street, Kodambakkam, Madras.

(Doc No 2594/78)

O ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras 600 006

Date . 20-4-1979  
Seal .

## FORM ITNS— -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 20th April 1979

Ref No 6578—Whereas, I O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2, (part), situated at Zackria Colony IVth St, Kodambakkam Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc No 2595/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Padma Loacham  
No 2, Zackria Colony, IVth St,  
Kodambakkam, Madras

(Transferor)

(2) S Venugopal,  
No 135, P V Koil St, Madras

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building No 2 (part) Zackria Colony, IVth St,  
Kodambakkam, Madras

(Doc No 2595/78)

O ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Madras 600 006

Date . 20-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) V. Kasturi Bai, No. 2, Zackria Colony,  
IVth St., Kodambakkam, Madras

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Venugopal, 135, P. V. Koil St.,  
Madras-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 20th April 1979

Ref No. 2596—Whereas, I, O. ANANDARAM  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 2, (part), situated at Zackria Colony, IVth St., Kodam-  
bakkam, Madras

(and more fully described in the  
schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. No. 2596/78) on August 1978

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid prop-  
erty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per-  
cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

23—66GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 2 (part), Zackria Colony, IVth  
St., Kodambakkam, Madras.

(Doc No. 2596/78).

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 20-4-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) G. Kuppuswamy  
2, Ramanada St., Velipalayam  
Nagapattinam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Shalmugham,  
86, Bazaar St., Pudupet, Panruti S.A. Dt.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 20th April 1979

Ref. No. 6559.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at New Boag Road, Kannammappet, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 931/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 28, New Boag Road, Kannammappet, T. Nagar, Madras-17.

(Doc. No. 931/78).

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 20-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006.

Madrass-600 006, the 20th April 1979

Ref. No. 6595 —Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32, II Main Road, situated at Kasturba Nagar, Kottur, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc No. 1763/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Y. G. Parthasarathy,  
Mrs. Rajalakshmi Parthasarathy  
No. 1, Lakshmi Colony,  
North Crescent Road, Madras-17  
(Transferor)
- (2) R. Soundararaja Moopamar,  
29, Arulananda Nagar,  
Thanjavur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House and ground No. 32, II Main Road Kasturba Nagar Kottur, Madras-20.

(Doc. No. 1763/78).

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 17-4-79  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 17th April 1979

Ref No 6511 Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23 situated at Sullivans Garden Road, Madras 4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc No 1111/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Dr. T. R. Kamalakar Rao,  
23, Sullivans Garden Road,  
Madras-4

(Transferor)

(2) M. Venkatesam Chetty  
23/2, Sullivans Garden St.,  
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 23, Sullivans Garden St., Madras-4.

(Doc No 1111/78)

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 17-4-79  
Seal :



**FORM ITNS**

(1) Indian Missionary Society Tirunelveli rep by its General Secretary Rv Jason S. Dhatmaraj.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006**(2) Mrs. S. Vijayalakshmi,  
68/4 1st Avenue, Ashok Nagar  
Madras-83

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madras 600006, the 17th April 1979

Ref No 6504 - Whereas, I O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No 4 Bishop Wallers Avenue, situated at (West) Mylapore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc No 2975/78) on August 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at No. 4, Bishop Wallers Avenue, Mylapore Madras

(Doc No 2975/78)

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

Date 17-4-79  
Seal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madrass-600006, the 12th April 1979

Ref. No 8306.—Whereas, I, O ANANDARAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 273/1, situated at MTH Road, Tiruninavur, Chingle-  
pet Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SRO Poonamallee (Doc. No 1804/78) on Aug 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and  
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (1) The Empire Vermicelli Co.,  
52, Choolai High Road,  
Madrass-7

(Transferor)

- (2) P M S Aziz and A Ahmed Jalal,  
99, G A Road, Madras-21

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building at 273 MTH Road Tiruninavur Chingle-  
pet Dt.

Doc No 1804/78).

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 12-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S. Govindarajapillai  
Veerakkankizhkudi Village  
Nannilam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. A. Packiri Masthan  
Sedharimangalam  
Yenayarkudi (PO) Nannilam

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref No 8304 Whereas I O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No situated at Pillayar North St., Nannilam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nannilam (Doc No 1379/78 on August 1978) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Pillayar North St., Nannilam  
(Doc No 1379/78)

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 12-4-1979  
Seal :

FORM ITNS - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS 600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 6562 August 78 —Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 Vijayaraghavachari Road situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer T. Nagar (Doc. No. 934/78) on 24-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Sara Yachamani alias Saraswathi  
No. 305 B Fairall St., Ajax  
Ontario, Canada (Canada)

(Transferor)

(2) Larsen & Toubro Employees Cooperative  
House Building Society Ltd.,  
Club House Road, Madras-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 37 Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras 17

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras 600006

Date, 27-4-1979  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Simco Meters Ltd.,  
Meter Factory Road,  
Tiruchitapalli-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 6603/August/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Karapakkam Village, Saidapet Taluk situated at S. Nos. 128/1; 128/2; 128/3; 128/5; 129; 130; 131; 132; 133/1; 133/2; 133/3; 134/A; and 136/B

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

JSR I Saidapet (Doc. No. 1109/78) on 17-8-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—66 GI/79

(2) Durametallie (India) Ltd.  
Dhun Building  
175/1 Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

12.62 acres bearing Survey Nos. 128/1, 128/2; 128/3, 128/6; 129; 130; 131; 132; 133/1; 133/2; 133/3; 134/A and 136/B situated at Karapakkam village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 27-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M. K. Parthasarathy Naidu,  
No. 26, Maychal Ranganatha Mudali St.,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) K. Ranganathan,  
S/o Kolakkara Gounder  
No. 53, Mela St., Thirukovilur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 6512.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53, situated at Raja St., Thirukovilur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (North) (Doc. No. 3092/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 58, Raja St., Thirukovilur  
(Doc. No. 3092/78).

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras, 600 006.

Date : 24-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

MADRAS-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 6528.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60/21 situated at Edward Elliotts Road, Madras-4, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1149/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) P. Saraswathi Ammal,  
60/22, Edward Elliotts Road,  
Madras-600004.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajam Krishnan  
8A, T.P. Scheme Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 60/21, Edward Elliotts Road, Madras-4.

(Doc. No. 1149/78)

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 24-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 8317.—Whereas, J. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 12 situated at Lalbahadur Shastri Road, Pondicherry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pondicherry (Doc. No. 1918/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shanthi Francis  
No. 34, Jawaharlal Nehru St.,  
Pondicherry.

(Transferor)

(2) Bisha Balaraman,  
90, Thillai Maistry St.,  
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 12, Lalbahadur Shastri Road,  
Pondicherry.

(Doc. No. 1918/78)

O. ANANDARAM  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 24-4-1979

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 8327. —Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, II Main Road situated at Ramalinganagar, Puthur, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 2346/78) on August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19—56GI/79

(1) R.Pandian  
S/o Rathnasabapathy Pillai  
2.5th St., Ramalingam Nagar,  
Gnanam Colony, Puthur.  
A. Nagappan  
S/o Annamalai Chettiar  
D.5 3rd St., Puthur.

(Transferor)

(2) S. Sridharan,  
S/o S. Subramanian,  
B.23 N.E. Thillainagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground Plot No. 24, II Main Road, Ramalinganagar Puthur, Trichy.

(Doc. No. 2346/78)

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.600 006.

Date: 24-4-1979

Seal:

## FORM ITNS—

(1) B Sambunathan, 2 N S Neelakantan  
Gowripuram, South St., Karur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) R Muthumanickam Chettiar  
M. Valliammal,  
No 2, Srinivasapuram, Karur Town

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 24th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No 8322—Whereas, I, O ANANDARAM  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing  
No 2 situated at Narasimhapuram B Plot 2nd Row (Ward  
No 1) Karur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Karur (Doc No 2865/78) on August 1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House and Ground No 2, Narasimhapuram B Plot 2nd  
Row, (Ward No 1) Karur  
(Doc No 2865/78)

O ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date 24-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/526.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 situated at Sikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Durga Devi  
w/o Late Shri Jai Dayal Alias  
Shri Jaidevji  
s/o Shri Bansidharji  
2. Shri Kanahivalal adopted  
s/o Shri C. Chandl Pd. Caste-Mahajan,  
Agarwal Podar  
r/o Fatehpur Distt. Sikar.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf  
ss/o Shri Yakub  
2. Shri Abdul Rahman  
s/o Shri Mahnuddin  
3. Shri Abdul Razaq  
s/o Shri Abdul Rahman Gauri,  
Caste-Musalman Vyopari  
r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of land bearing plot No. 2 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale deed registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 273 dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-4-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/527.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing PPlot No. 4 situated at Sikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Durga Devi  
w/o Late Shri Jai Dayal Alias  
Shri Jaidevi  
s/o Shri Bansidharji  
2. Shri Kanahiyalal adopted  
s/o Shri C. Chandi Pd. Caste-Mahajan,  
Agarwal Podar  
r/o Fatehpur Distt. Sikar. (Transferor)
- (2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf  
ss/o Shri Yakub  
2. Shri Abdul Rahman  
s/o Shri Mahnuddin  
3. Shri Abdul Razaq  
s/o Shri Abdul Rahman Gauri,  
Caste-Musalman Vyopari  
r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of land bearing plot No. 4 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale deed registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 276, dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/528.—Whereas, I,  
HARI SHANKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. Shrimati Durga Devi  
w/o Late Shri Jai Dayal Alias  
Shri Jaidevji  
s/o Shri Bansidharji
2. Shri Kanahiyalal adopted  
s/o Shri C. Chandi Pd. Caste-Mahajan,  
Agarwal Podar  
r/o Fatehpur Distt. Sikar.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf  
ss/o Shri Yakub
2. Shri Abdul Rahman  
s/o Shri Mahnuddin
3. Shri Abdul Razaq  
s/o Shri Abdul Rahman Gauri,  
Caste-Musalman Vyopari  
r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of land bearing plot No. 3 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 275, dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-4-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/529.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5 situated at Sikar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Durga Devi  
w/o Late Shri Jai Dayal Alias  
Shri Jaidevji  
s/o Shri Bansidharji
2. Shri Kanahiyalal adopted  
s/o Shri C. Chand Pd. Caste-Mahajan,  
Agarwal Podar  
r/o Fatehpur Distt. Sikar.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf  
ss/o Shri Yakub
2. Shri Abdul Rahman  
s/o Shri Mahnuddin
3. Shri Abdul Razaq  
s/o Shri Abdul Rahman Gauri,  
Caste-Musalman Vyopari  
r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of land bearing plot No. 1 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale deed registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 274 dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/541.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of plot situated at Sirohi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirohi on 26-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shimati Bhagwanti Devi  
w/o Shri Dhanraj Nagauri,  
Caste—Jain Oswal  
R/o Sirohi, Distt. Sirohi (Raj). (Transferor)
- (2) 1. Shri Milapchand  
s/o Shri Jawaichand  
2. S/Shri Jyantilal & 3. Shelesh Kumar  
ss/o Shri Milapchand  
caste—Jain Oswal  
R/o Sirohi (H.U.F.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of plot of land (Nohra) measuring 4778 sq. ft. situated at Babitla Bas Sirohi and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Sirohi vide registration No. 75 dt. 26-2-79.

HARI SHANKER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25.4.1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 13th February 1979

Ref. No. KNL/15/78-79.—Where I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12 measuring 749 4/5 Sq. Yards, situated at Sessions House Marg, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. D. Narang s/o  
Shri Bhagwan Dass Narang  
Resident of Shakti Colony, Karnal. (Transferor)
- (2) S/Shri Anil Kumar Gupta and  
Ashwani Kumar Gupta ss/o  
Shri Vidya Sagar  
Resident of House No. 9,  
Nai Mandi, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 2 measuring 749 4/5 Sq. Yds. situated on Sessions House Marg, Karnal and as mentioned in the sale deed registered at No. 4106 of October, 1978 with the Sub-Registrar Karnal.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 13-2-1979

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 26th March 1979

Ref. No. BGR/16/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 52, Block D, NH-3 situated at NIT Faridabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballabgarh in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Tej Bahadur Lal s/o  
Late Sh. Ishwar Dass  
r/o H. No. 2/26, Kalkaji Extension,  
New Delhi through Attorney Sh. Mohan Lal  
Mohindra s/o Sh. Devi Dass, r/o H. No. 2/26,  
Kalkaji Extension, New Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Suresh Chandra Gupta,  
Chander Bhushan Gupta  
Sudhir Chander Gupta  
Harish Chaner Gupta  
All s/o Sh. Sant Lal Gupta  
r/o 3-D-42, NIT, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 52, Block D NH-3, NIT, Faridabad measuring 600 sq. yards and as mentioned in the sale deed registered with the sub-Registrar, Ballabgarh at No. 3273 dated 16-8-78.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commission of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 26-3-1979

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 2nd April 1979

Ref No KTL/5/78-79—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing land measuring 313 kanal 15 marla situated at Patti Kayasthan, Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sh Ishwar Chand  
(2) Sh Bij Mohan Lal  
(3) Sh Krishan Gopal,  
All sons of Sh Babu Ram  
residents of Patti Kayasthan (Kaithal).  
(Transferor)
- (2) M/s The Kaithal Building Service Company  
through Shri Om Parkash s/o Shri Dhanpat Raj  
1/o Kaithal  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 313 K 15 Marla (Jama-bandi 1975-76, Khewat 185/280 Kita No 52) situated at Patti Kayasthan (Kaithal) and as mentioned in the sale deed registered with the Sub Registrar, Kaithal at No 1793 dated 2-11-1978.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commission of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date 2-4 1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Dated, the 25th April 1979

Ref. No. III-318/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauzi No. 438, Thana No. 4, Ward No. 10, Sheet No. 61, Municipal plot No. 583, Circle No. 28, old holding No. 324, New holding No. 339 situated at R. K. Avenue Road (Nala Road), Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 14-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vijaya Mukherjee, W/o Sri Narendra Nath Mukherjee of R. K. Avenue (Nala Road), Patna-4, P.S. Kadamkuan  
(Transferor)
- (2) Smt. Basanti Sahu, W/o Sri Ramnarain Sahu, resident of village Ginjo Thakur (P.O.), Dist. Ranchi.  
(Transferee)
- (3) (i) Patliputra Hardware  
(ii) Wood Centre  
(iii) Dhanwantri Laboratories & Shyam Ayurved Bhawan  
(iv) A to Z Saloon &  
(v) Girdhari Lal  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property consists of land measuring 1365 sft. together with partly constructed pucca shops standing thereon. It is situated on the main R. K. Avenue Road (Nala Road), Patna. Morefully described in deed No. 5322 dated 14-8-78 of Patna D.S.R.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 25-4-1979

Seal :